PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 10 ● भिलाई, शुक्रवार 24 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

50 लाख की रंगदारी मांगने वाला नगर निगम अधिकारी गिरफ्तार

हावड़ा। शहर में होटल मालिकों, प्राइवेट नर्सिंग होम संचालकों और प्रमोटरों से डरा-धमकाकर पैसे ऐंठने वाले एक बड़े वसूली गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। हावड़ा पुलिस ने मंगलवार देर रात छापेमारी कर हावड़ा नगर निगम के एक अधिकारी और उसके साथी (एक एनजीओ अधिकारी) को गिरफ्तार कर लिया। आज मिली जानकारी में बताया गया है कि, नगर निगम कएक अधिकारी हाल ही में हावड़ा स्टेशन परिसर में एक होटल मालिक के पास गया और शिकायत की कि होटल में अवैध रूप से निर्माण किया गया है। अवैध निर्माण को गिराने की धमकी देकर उससे 50 लाख रुपये मांगे गए। आरोप है कि हाल ही में उक्त निगम अधिकारी ने हावड़ा स्टेशन परिसर के एक होटल मालिक को अवैध निर्माण का हवाला देकर इमारत गिराने की धमकी दी और 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। पैसे न देने पर व्यवसाई को जान से मारने की धमकी भी दी गई।

कांग्रेस नेता नितीश सिंह पर जानलेवा हमला, युवा कांग्रेस ने की कड़ी निंदा

पटना। पटना महानगर युवा कांग्रेस के प्रत्याशी नितीश सिंह पर भाजपा के समर्थकों द्वारा किए गए जानलेवा हमले को लेकर युवा कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह हमला लोकतंत्र पर सीधा प्रहार है और छात्रों, युवाओं व जनता के हक की आवाज़ को दबाने की साज़िश है। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कहा कि जो भी आवाज़ छात्रों, युवाओं और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ती है, उसे डराने-धमकाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन नितीश सिंह ना झुके हैं और ना ही झुकेंगे। हर हमले का जवाब जनता की ताकत और लोकतंत्र के संवैधानिक रास्ते से दिया जाएगा। इस कायराना हरकत की सभी युवा साथियों ने कड़ी निंदा करते हुए प्रशासन से मांग की है कि हमले में शामिल दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। कार्यकर्ताओं का कहना है कि हिंसा और गुंडागर्दी से लोकतांत्रिक आवाज़ को दबाया नहीं जा सकता। युवा कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि सत्य और संघर्ष की यह लड़ाई जारी रहेगी।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार देश की सुख-समृद्धि के लिए की विशेष प्रार्थना

अयोध्या। वरिष्ठ पत्रकार राकेश सिंह अपनी पत्नी पारुल सिंह, अध्यक्ष, दिल्ली पैरा ओलंपिक समिति, के साथ अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान श्रीराम के दिव्य स्वरूप के दर्शन किए, विशेष पूजा-अर्चना एवं आरती में भाग लिया तथा प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान राकेश सिंह और पारुल सिंह ने भगवान श्रीराम से देश में शांति, समृद्धि, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र की निरंतर प्रगति की कामना की।

भारत के छात्र अकेले नहीं है : राहुल

नीट पेपर लीक मामला : राहुल गांधी का गांधी-स्मृति मार्च

नई दिल्ली/ एजेंसी

नीट पेपर लीक और छात्र आंदोलन को लेकर गुरुवार को कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवास पर इंडिया गठबंधन की अहम बैठक हुई। बैठक के बाद गठबंधन के सांसद और नेता बस से गांधी स्मृति भवन के लिए रवाना हुए, जो राहुल गांधी के आवास से लगभग दो किलोमीटर दूर स्थित है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता शांतिपूर्ण तरीके से गांधी स्मृति जा रहे हैं। उन्होंने लिखा कि यह यात्रा उन छात्रों की स्मृति को समर्पित है, जिन्होंने कथित तौर पर नीट पेपर लीक के बाद अपनी जान गंवाई, और उन छात्रों के समर्थन में है जो न्याय और जवाबदेही की मांग करते हुए घायल हुए हैं। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में कहा, भारत के छात्र अकेले नहीं हैं। पूरा विपक्ष उनके साथ और उनकी मांगों के समर्थन में खड़ा है। राहुल गांधी ने कहा कि अभी, इंडिया गठबंधन के सांसद और नेता शांतिपूर्ण तरीके से तीस जनवरी मार्ग पर गांधी स्मृति जा रहे हैं। हम उन छात्रों को याद करने जा रहे हैं जिन्हें हमने खो दिया वे बच्चे जिन्हें नीट पेपर लीक के बाद अपनी जान देने के लिए मजबूर होना पड़ा। और हम उन छात्रों के साथ खड़े होने जा रहे हैं जो आज घायल हैं जिन्हें न्याय और जवाबदेही की शांतिपूर्ण मांग करने पर पीटा गया। भारत के छात्र अकेले नहीं हैं। पूरा विपक्ष उनके और उनकी मांगों के साथ खड़ा है। बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा और कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग सहित इंडिया गठबंधन के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि देशभर में युवाओं के बीच गहरी बेचैनी है।

उन्होंने कहा, जंतर-मंतर और अलग-अलग राज्यों में जो हो रहा है, उसे देखिए। युवाओं में बहुत बेचैनी है। आने वाले समय में आपको पता चल जाएगा कि हम क्या करने जा रहे हैं। देश के हालात चिंता पैदा करने वाले हैं। कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने बैठक से पहले कहा कि विपक्ष अपनी रणनीति सार्वजनिक नहीं करेगा। उन्होंने कहा, अगर हम अपना प्लान पहले बता देंगे तो सामने वाला सतर्क हो जाएगा। दिल्ली पुलिस और केंद्रीय गृह मंत्रालय के लोग पहले से सक्रिय हैं। हम लड़ेंगे और जीतेंगे। विपक्ष लगातार नीट पेपर लीक मामले, छात्र आंदोलन और प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार को घेर रहा है। वहीं, सरकार का कहना है कि वह इस मुद्दे पर संसद में विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है।

पीएम मोदी की मुसीबत बढ़ाएंगे अन्ना हजारे! सीजेपी को समर्थन छात्रों के समर्थन में अन्ना हजारे का मौन व्रत शुरू....

इधर सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने गुरुवार को छात्रों के प्रदर्शन के समर्थन में महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में मौन आंदोलन शुरू कर दिया है। उन्होंने पीएम मोदी को पत्र भी लिखा था उनका कहना था कि पीएम सर्वोच्च नेता हैं, इसलिए जनता के सवाल उन तक पहुंचाना जरूरी है। नीट पेपर लीक को लेकर पूरे देश में संग्राम मचा हुआ है। एक तरह, जहां कॉंकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी पिछले 34 दिन ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना है। वहीं दूसरी तरफसामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 24 दिन से भूख हड़ताल पर है। संसद के मानसून सत्र में भी सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसद आमने-सामने हैं। नीट पेपर लीक और छात्रों के प्रोटेस्ट पर लाठीचार्ज को लेकर दोनों पक्ष के सांसदों ने संसद परिसर में प्रदर्शन कर रहे हैं। पहले ही नीट पेपर लीक को लेकर मुसीबत में पंक्षी मोदी सरकार की मुसीबत बढ़ाने अब अन्ना हजारे आ गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने सीजेपी प्रोटेस्ट को समर्थन देने का ऐलान किया है। अन्ना हजारे ने अहिल्यानगर में चल रहे छात्रों के आंदोलन में हिस्सा लेने का फैसला किया है। अन्ना हजारे के करीबी सहयोगियों ने बताया कि वो जल्द ही अहिल्यानगर पहुंचकर छात्रों के प्रदर्शन में शामिल होंगे और उनके मुद्दों पर चर्चा करेंगे। वहीं छात्रों के आंदोलन पर अन्ना हजारे ने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के एक बड़े और सम्मानित नेता हैं। उन्हें ये समझना चाहिए कि हिंसा कोई रास्ता नहीं है। वह सर्वोच्च पद पर हैं, इसलिए मैंने उन्हें पत्र लिखा है। सांसद मार्च के दौरान छात्रों पर हुए एक्शन पर कहा कि हिंसा से कभी कोई समाधान नहीं निकलता।

ठाकरे भाइयों की मुंबई में बड़ी हुंकार

छात्रों के साथ अन्याय पर अब सरकार को सिखाएंगे सबक

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश भर में नीट परीक्षा पेपर लीक मामले, जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज और केंद्र सरकार के अड़ियल रवैये को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में ऐतिहासिक मोड़ आ गया है। लंबे अर्से बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे एक ही मंच और एक ही मुद्दे पर पूरी तरह से एकजुट नजर आ रहे हैं। नीट विवाद पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोलते हुए दोनों ठाकरे भाइयों ने

घोषणा की है कि वे आगामी रविवार, 26 जुलाई को मुंबई में छात्रों के समर्थन में एक विशाल संयुक्त मार्च ('शक्ति प्रधान मोर्चा') निकालेंगे। एमएनएस अध्यक्ष राज ठाकरे ने मुंबई में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में चल रहा छात्र आंदोलन शुरुआत में पूरी तरह शांतिपूर्ण था, लेकिन सरकार ने दमनकारी नीतियों से इसे भड़काने का काम किया। उन्होंने कहा कि यह लगातार तीसरी बार है जब नीट का पेपर लीक हुआ है। अब केवल केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा काफी नहीं है, बल्कि जवाबदेही सीधे प्रधानमंत्री तक जाती है। राज ठाकरे ने रविवार 26 जुलाई के कार्यक्रम का ऐलान करते हुए कहा, आगामी 26 जुलाई को सुबह 11:30 बजे दादर स्थित शिवतीर्थ (शिवाजी पार्क) से सिद्धिविनायक मंदिर तक 'शक्ति प्रधान मोर्चा' निकाला जाएगा। हम भगवान सिद्धिविनायक के चरणों में प्रार्थना करेंगे कि सत्ता के अहंकार में डूबी इस केंद्र सरकार को कुछ सद्बुद्धि और अक्ल आए।

शख्स ने पत्नी और 2 मासूम बच्चों को उतारा मौत के घाट

मैसूरु। कर्नाटक के मैसूरु से एक बेहद खौफनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक शख्स ने गहरी साजिश रचते हुए पहले अपनी ही पत्नी और दो मासूम बच्चों की बेरहमी से जान ले ली, और फिर खुद भी फंदे पर झूलकर खौफनाक अंत चुन लिया। एक ही झटके में पूरे हंसते-खेलते परिवार के खत्म होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस को मौके से एक हैरान करने वाला सुसाइड नोट भी मिला है, जिसने इस पूरे हत्याकांड को और भी रहस्यमयी बना दिया है। इस सुसाइड नोट में प्रॉपर्टी के कागजात और तिजोरी की चाबियों को लेकर किए गए

राजा रघुवंशी मर्डर केस

सुको से सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द हुआ.....

इंदौर। इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने उसकी जमानत रद्द करते हुए तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है। अदालत ने यह फैसला मेघालय सरकार की उस याचिका पर सुनाया, जिसमें सोनम को मिली जमानत को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि मुकदमे की सुनवाई छह महीने के भीतर पूरी की जाए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि

निर्धारित समय सीमा में ट्रायल पूरा नहीं होता है, तो सोनम रघुवंशी दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकती है। फिलहाल उसे तीन सप्ताह के भीतर संबंधित अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करना होगा।

चैतन्य बघेल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी और राज्य सरकार की याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली। एजेंसी

छत्तीसगढ़ के शराब घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट से चैतन्य बघेल को बड़ी राहत मिली है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की जमानत को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। ये याचिकाएं ईडी और राज्य सरकार की तरफ से दायर की गई थी। मामले की सुनवाई देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने की। सुप्रीम कोर्ट ने नियमित रूप से जमानत को चुनौती देने की बढ़ती प्रवृत्ति

पर चिंता जताई। अदालत ने कहा कि केवल कानूनी त्रुटि वाला जमानत आदेश किसी आरोपी की स्वतंत्रता रद्द करने का पर्याप्त आधार है या नहीं, इस पर विचार की आवश्यकता है। वैसे शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट की ओर से राज्य पुलिस की जांच एजेंसी (ईओडब्ल्यू) के खिलाफ की गई प्रतिकूल टिप्पणियों को हटा दिया। इससे पहले दो जनवरी को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा ने ईडी और ईओडब्ल्यू / एसीबी की तरफ से दर्ज दोनों मामलों में चैतन्य बघेल को जमानत दी थी। हाईकोर्ट में चैतन्य के वकील ने तर्क दिया था कि पिछले दो वर्षों से जांच जारी है और हाईकोर्ट ने एक सुविचारित फैसला दिया है। भौगोलिकसंदर्भ बता दें कि ईडी ने चैतन्य बघेल को जुलाई और ईओडब्ल्यू ने सितंबर में गिरफ्तार किया था।

गृह मंत्रालय के आदेश पर रातों-रात बंगाल से एयरलिफ्ट किए गए 2000 जवान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लगातार भड़क रहे विरोध-प्रदर्शनों और संसद के मानसून सत्र के बीच एक बड़ी हलचल मच गई है। दिल्ली में किसी भी संभावित खतरे को टालने और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए केंद्र सरकार ने रातों-रात एक बड़ा कदम उठाया है। गृह मंत्रालय के सीधे आदेश पर पश्चिम बंगाल से भारी-भरकम सुरक्षाबलों को तुरंत दिल्ली बुलाया जा रहा है। हिंसक झड़पों की आशंका और बिगड़ते हालात को देखते हुए अचानक लिए गए इस फैसले ने राजधानी में सरगर्मी काफी तेज कर दी है।

पीएम मोदी के एलान पर सीजेपी का पलटवार

मरहम नहीं....पेपर लीक रोकने की व्यवस्था चाहिए-आशुतोष

नई दिल्ली/ एजेंसी

नीट-यूजी पेपर लीक विवाद और छात्रों के विरोध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने और दोषियों को जल्द सख्त सजा दिलाने की घोषणा की। इस पर कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पेपर लीक के मूल कारणों पर सवाल उठाए। आशुतोष रांका ने कहा कि पेपर लीक इसलिए हो रहे हैं क्योंकि व्यवस्था में नाकाबिल लोग बैठे हैं। उन्होंने जिम्मेदारी तय करने और दोषियों

के मन में डर पैदा करने की बात कही। रांका ने व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया ताकि पेपर लीक की गुंजिश न रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक एक संगठित गिरोह के जरिये होता है। इसमें नीचे से लेकर ऊपर तक कई लोग शामिल होते हैं और आर्थिक लाभ उठाते हैं। रांका ने कहा कि केवल कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था को बदलना जरूरी है। उन्होंने पीएम के एक्स पोस्ट पर टिप्पणी की कि यह चोट लगने के बाद मरहम लगाने जैसा है। उनकी लड़ाई चोट लगने के कारणों को लेकर है। आशुतोष रांका ने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। उन्होंने बताया कि देश में कई बड़े मामलों में ऐसे कोर्ट बने, पर मूल समस्या खत्म नहीं हुई। सरकार ने मूल कारणों और व्यवस्था से जुड़ी खामियों को दूर नहीं किया।

नीट पेपर लीक पर बड़ा एक्शन!

चार राज्यों में बनेंगे फास्ट-ट्रैक कोर्ट,आरोपियों पर होगी रोज सुनवाई

नई दिल्ली/ एजेंसी

पेपर लीक मामले के मद्देनजर केंद्र सरकार नए पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) एक्ट, 2024 के तहत कार्रवाई तेज करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों के खिलाफ रोजाना सुनवाई करने के लिए चार राज्यों में फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक मामले में आरोपियों को सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का ऐलान किया था। पीएम मोदी के घोषणा करते ही केंद्र सरकार एक्शन मोड में आ गई। अब इस मामले में सुनवाई के लिए 4 राज्यों में फास्ट ट्रैक कोर्ट चलाया जाएगा, जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार इस मामले में संबंधित राज्यों की सरकारों और हाई कोर्ट से विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन करने का निवेदन करेगी। यह खास पेपर लीक मामलों की सुनवाई करेगी। मामले में जांच और ट्रायल में देरी न हो और फैसला जल्दी आ सकें, इसके लिए रोज सुनवाई की जाएगी। आपको जानकारी दें, कि गुरुवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में बढ़ रहे छात्र आंदोलन को देखते हुए सोशल मीडिया पर फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन की घोषणा की थी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, हमारे युवाओं की भलाई और उनके भविष्य से ज्यादा जरूरी कुछ भी नहीं है। हमने पेपर लीक में शामिल लोगों को जल्द और कड़ी सजा दिलाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का फैसला किया है। संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

यह छात्रों के हितों की रक्षा के लिए उठाए जा रहे हमारे कदमों की कड़ी का ही एक हिस्सा है। जो लोग हमारे युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। पब्लिक एग्जामिनेशन कानून 21 जून, 2024 से भारत में लागू किया गया है। इसका उद्देश्य सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, सॉल्वर गैंग, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के गलत इस्तेमाल और दूसरी गलत गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना है। दोषी पाए जाने वालों के लिए इस कानून में कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान है। यह कानून नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित सभी एंट्रेंस और भर्ती परीक्षाओं के साथ-साथ यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन स्टाफ सिलेक्शन कमीशन रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड आईबीपीएसऔर केंद्र सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों की भर्ती परीक्षाओं पर भी लागू होता है। चूंकि नीट परीक्षा भी आयोजित करती है, इसलिए इससे जुड़े पेपर लीक या दूसरी गड़बड़ियों के मामलों से भी इसी कानून के तहत निपटा जाएगा। सूत्रों के अनुसार, नीट पेपर लीक मामले में इस कानून के तहत अब तक 4 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इन मामलों की सुनवाई के लिए बॉम्बे, कलकत्ता, दिल्ली और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इनमें से दो मामले बॉम्बे हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

नीट पेपर लीक मामले में दर्ज हैं चार एफआईआर

सूत्रों के मुताबिक, नीट पेपर लीक मामले में इस कानून के तहत अब तक चार एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं. इन मामलों की सुनवाई के लिए बॉम्बे, कलकत्ता, दिल्ली और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है. इनमें से दो मामले बॉम्बे हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आते हैं. सरकार का मानना है कि विशेष अदालतों के गठन से न सिर्फआरोपियों के खिलाफकानूनी कार्रवाई तेज होगी, बल्कि सार्वजनिक परीक्षाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को लेकर भी मजबूत संदेश जाएगा. साथ ही भविष्य में पेपर लीक और संगठित नकल जैसे अपराधों पर प्रभावी रोक लगाने में भी मदद मिलेगी.

सारंगढ़ मेला ग्राउंड में जिला कांग्रेस ने किया मोदी का पुतला दहन

राहुल गांधी की गिरफ्तारी और छात्रों पर लाठी चार्ज की बर्बरता के विरोध में हुआ प्रदर्शन

भटगांव। सारंगढ़ जवाहर मेला ग्राउंड में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष प्रियंका गांधी की गिरफ्तारी, नीट परीक्षा पेपर लीक और दिल्ली में हो रहे विरोध प्रदर्शन तथा मोदी सरकार की बर्बरता के विरोध में कांग्रेसियों ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। पुतला दहन में विधायक पूर्व विधायक जिला प्रकोष्ठ व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों तथा कांग्रेसियों के साथ ऊर्जावान कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति देखी तो दूसरी ओर भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रही। बरसते पानी में कार्यकर्ताओं का जोश चरम पर नजर आया, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शुभम वाजपेई मुकेश साहू बीडीसी, राजेंद्रवारे, जितेंद्र पुराइन विकास मालाकार और युवा कार्यकर्ताओं की नारेबाजी ने विरोध प्रदर्शन को बड़ा स्वरूप दिया। पुतला दहन के दरमियान मितेंद्र यादव शाहजहां खान घनश्याम मनहर विनोद भारद्वाज राकेश पटेल रामनाथ सिदार सतीश श्रीवास बिजेंद्र गुड्डू नागेश्वर महंत महेश नायक हेमंत चंद्र की पुलिस के साथ देर तक छीना झपटी होती रही।

राहुल गांधी और कांग्रेसियों की गिरफ्तारी केंद्र सरकार की कायराना हरकत : चंद्रदेव राय

अंततः मेला ग्राउंड में मोदी का पुतला धू-धू कर कर जला। पुतला दहन के दरमियान बिलाईगढ़ विधायक कविता लहरें एवं पूर्व विधायक व संसदीय सचिव चंद्रदेव राय कार्यक्रम स्थल पहुंचे। कांग्रेसी छत्रसाल साहू प्रदेश सचिव, संजय दुबे, सूरज तिवारी, गोल्डी नायक, राधे जायसवाल, रविंद्र नंदे ने मोदी सरकार की बर्बरता पूर्ण कायराना हरकत की कड़ी निंदा की और कहा कि जब-जब जुल्मी जुल्म करेगा कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता छात्रों व्यापारियों पत्रकारों किसानों गरीबों व हर वर्ग के लिए आपको खड़ा नजर आएगा। अंत में प्रेस से रूबरू होते हुए जिला अध्यक्ष तारा देवांगन एवं पूर्व संसदीय सचिव चंद्रदेव राय ने मोदी सरकार के द्वारा छात्रों पर किए गए लाठीचार्ज नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेसियों की गिरफ्तारी को केंद्र सरकार की कायराना हरकत बताया और जिला अध्यक्ष तारा देवांगन कहा कि बहुत ही शॉर्ट सूचना के बाद बरसते पानी में कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति के लिए मैं सभी कांग्रेसियों का आभार जताता हूं ग्रामीण क्षेत्र से कई और साथियों के आने की भी सूचना है।

अर्धवार्षिक कार्यकाल पूर्ण होने पर प्राचार्य मंच द्वारा सम्मान समारोह का किया आयोजन

सरायपाली। प्राचार्य मंच की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मंच के सभी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार भोई एवं नेहरू लाल भोई के अर्धवार्षिकी कार्यकाल पूर्ण होने पर उनके सम्मान में प्राचार्य मंच द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। दोनों का शाल, श्रीफल एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया गया तथा उनके योगदान की सराहना की गई। बैठक में सर्वसम्मति से प्राचार्य मंच के अध्यक्ष पद पर सहदेव प्रधान तथा उपाध्यक्ष पद पर दिलीप नायक का मनोनयन किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का पुष्पगुच्छ, शाल एवं श्रीफल भेंट कर हार्दिक स्वागत एवं सम्मान किया तथा उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। बैठक का समापन सभी सदस्यों द्वारा संगठन की एकता, सहयोग एवं भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम में सी एल पहूप, अशोक कुमार साहू, कोमल प्रसाद पटेल, चुड़ामणि पटेल, सरधाराम राम सिदार, मालिक राम पटेल, राजेंद्र नायक, नारायण भोई, संतोष कुमार, दामोदर महापात्र, नरेश कुमार परेश्वर, खीसागर पटेल, टीकाराम चौधरी, रवि कुमार साहू, युवराज पंडा, अरुण कुमार भोई, सुशील कुमार पटेल, विमल कुमार साहू, जगदीश प्रसाद पटेल, राजेंद्र कुमार अरिल्हे, भोग सिंह भोई, सुशील कुमार सेठ, किशोर कुमार रथ, सहदेव प्रधान, अरुण कुमार सतपथी, पी के ग्वाल उपस्थित थे।

जिला शिक्षा अधिकारी जे.आर.डहरिया ने ली विकास खंड बिलाईगढ़ की समस्त प्राचार्यों की बैठक

शिक्षक प्राचार्य टीम वर्क और जवाबदेही के साथ करें काम

भटगांव। जिला शिक्षा अधिकारी जे.आर.डहरिया ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरसींवां में विकास खण्ड बिलाईगढ़ के समस्त प्राचार्यों की बैठक ली। शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्तापूर्वक बनाने उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना, बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, निजी स्कूलों के मान्यता, फीस, निर्धारण गणवेश पुस्तक क्रय के संबंध में चर्चा, शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं का वीएसके ऐप में नियमित उपस्थिति, शिक्षकों को मोबाइल का उपयोग कक्षा में नहीं करने का निर्देश, ड्रॉप आउट बच्चों का सर्वे कर पुनः विद्यालय से जोड़ना, एसएमसी का गठन जुलाई तक अनिवार्य रूप से करने का निर्देश, एचपीवी टीकारण के लिए बच्चों पालकों को जागरूक करना, नवोदय विद्यालय फॉर्म 100प्रतिशत बच्चों को फॉर्म भरवाना, अहाता युक्त शाला भवन की जानकारी, वृक्षारोपण, पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला कक्ष का निरंतर साफ सफाई कराने का कड़ा निर्देश डीईओ ने बैठक में दिया। जिला शिक्षा अधिकारी जे.आर. डहरिया ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरसींवा में विकास खण्ड बिलाईगढ़ के समस्त प्राचार्यों की बैठक ली। शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्तापूर्वक बनाने उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि सभी प्राचार्य जवाबदेही और टीमवर्क के साथ काम करें। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्ययोजना बनाएं, हर शिक्षक अपनी जिम्मेदारी समझे। जिला शिक्षा अधिकारी जे.आर. डहरिया ने शिक्षकों को शाला में नियमित रूप से उपस्थित रहने निर्देश दिया। शिक्षकों से उन्होंने कहा कि वार्षिक टाइम-टेबल बनाकर सिलेबस समय पर पूरा करें। शाला प्राचार्य अब बच्चों की कॉपी चेक करेंगे और जहां आवश्यकता होगी, सुझाव देंगे और बदलाव करेंगे। डीईओ ने सभी से रूबरू होकर उनकी समस्याएं जानी और कहा कि शिक्षकों को अच्छे परिणाम देने प्रोत्साहित करे ताकि सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले का परिणाम बेहतर हो। बैठक में विकासखंड शिक्षाअधिकारी बिलाईगढ़ सत्यनारायण साहू के साथ समस्त प्राचार्य उपस्थित रहे।

एसपी ने 8 निरीक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी किए

धमतरी। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में पुलिस अधीक्षक धमतरी भावना पांडेय ने महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लेते हुए 8 निरीक्षकों के स्थानांतरण एवं नवीन पदस्थापना आदेश जारी किए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। जारी आदेश के तहत जिले के विभिन्न थाना एवं चौकियों में निरीक्षक स्तर के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह प्रशासनिक फेरबदल पुलिसिंग को अधिक परिणामोन्मुख, उत्तरदायी एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, कानून व्यवस्था का सुदृढ़ संधारण, गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा आमजन को त्वरित एवं बेहतर पुलिस सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। स्थानांतरण आदेश के अनुसार निरीक्षक शरद ताम्रकार को रक्षित केंद्र धमतरी से थाना प्रभारी अर्जुनी नियुक्त किया गया है। निरीक्षक अरुण साहू को थाना प्रभारी नगरी से थाना प्रभारी भखारा पदस्थ किया गया है। निरीक्षक उमेश पाटिल को रक्षित केंद्र धमतरी से थाना प्रभारी सिहावा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षक समीर तिवारी को रक्षित केंद्र धमतरी से चौकी प्रभारी बिरेझर नियुक्त किया गया है। निरीक्षक सन्नी दुबे को रक्षित केंद्र धमतरी से थाना प्रभारी रुद्री पदस्थ किया गया है। निरीक्षक तापेश्वर नेताम को थाना प्रभारी भखारा से थाना प्रभारी नगरी की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक मधुनाथ ध्रुव को रक्षित केंद्र धमतरी से थाना प्रभारी बोराई नियुक्त किया गया है। निरीक्षक चन्द्रकांत साहू को थाना प्रभारी अर्जुनी से थाना प्रभारी साइबर पदस्थ किया गया है। विशेष उल्लेखनीय है कि जिन थाना एवं चौकी क्षेत्रों में पूर्व से सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी प्रभारी के रूप में पदस्थ थे, वहां अब निरीक्षक स्तर के अधिकारियों की पदस्थापना की गई है। इस निर्णय से पुलिस नेतृत्व को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा संवेदनशील क्षेत्रों में कानून.व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, विवेचना की गुणवत्ता, जनशिकायतों के त्वरित निराकरण एवं पुलिस की मैदानी कार्यवाही और अधिक प्रभावी होगी। पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे तत्काल नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण कर क्षेत्र में सक्रिय एवं दृश्यमान पुलिसिंग सुनिश्चित करें। साथ ही नियमित पेट्रोलिंग, असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों पर सतत निगरानी, अवैध गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई, लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण तथा आमजन के साथ बेहतर संवाद एवं विश्वास कायम रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। धमतरी पुलिस का यह प्रशासनिक फेरबदल जिले में सुदृढ़, पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनकेंद्रित पुलिसिंग को नई दिशा प्रदान करेगा। निरीक्षक स्तर के अधिकारियों की पदस्थापना से पुलिस व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा नागरिकों को त्वरितए संवेदनशील एवं प्रभावी पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ.साथ जिले में शांति, सुरक्षा एवं कानून.व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गीता पटेल के दशगात्र में पहुंचे पूर्व मंत्री एवं विधायक

भटगांव। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सोनाखान के एक मात्र नगर पंचायत जो वनांचल का हृदय स्थल माना जाता है, वहाँ पार्षद, नगर पंचायत उपाध्यक्ष, एवं नगर पंचायत अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद के साथ साथ, मरार पटेल समाज में अपना महत्वपूर्ण दखल रखने वाला, स्व गीता राम पटेल जी के दशगात्र में छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री डॉ शिव कुमार डहरिया, बिलाईगढ़ विधायक कविता प्राण लहरे, पूर्व विधायक चंद्रदेव राय, बलौदा बाजार जिला कांग्रेस कमेटी सुमित्रा धृतलहरे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सोनाखान अध्यक्ष युधिष्ठिर नायक, राज महंत पी के धृतलहरे, शाकंभरी बोर्ड अध्यक्ष राजेंद्र कुमार, समाज अध्यक्ष सुरेंद्र पटेल, लता जाटवर, राजकुमार जांगड़े, जान मोहम्मद खान, टेक कुमार पटेल, मुरलीधर मिश्रा, सुखलाल निषाद, हेमलाल पटेल, प्रेमलाल, गजेंद्र पटेल, प्रेमशिला भूपेन्द्र नायक, हेमंत दुबे, डॉ परमानंद साहू, दिलीप अनंत, सिद्धांत मिश्रा, सुखी राम वर्मा, भवानी श्रीवास, छत्रसाल साहू, सबने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उपस्थित समस्त, सामाजिक बधुओं ने, जन प्रतिनिधियों ने स्व. गीता पटेल के चल चित्र पर माल्यार्पण किया, शोक सभा में शामिल हुए, और उनकी आत्मा शांति के लिए मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित किए।

नवपदस्थ एस पी से सौजन्य भेंट मुलाकात

भटगांव। जिले में नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक राय गौरव रामप्रवेश के पदभार ग्रहण करने के बाद छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन, बलौदाबाजार के पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत किया तथा जिले में नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से सौजन्य मुलाकात के दौरान जिले में प्रशासन और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय, कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा जनहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। प्रतिनिधियों ने विश्वास जताया कि पुलिस प्रशासन के नेतृत्व में जिले में सुरक्षा व्यवस्था और जनसेवा की दिशा में प्रभावी कार्य होंगे। इस अवसर पर फेडरेशन की ओर से डॉ. एल. एस. ध्रुव (जिला संयोजक, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन बलौदाबाजार), चेतन बघेल (प्रांत अध्यक्ष, प्रदेश शिक्षक सेवी कल्याण संघ), मनोज दुबे (सचिव, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन), संतोष साहू (जिला उपाध्यक्ष, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन), बेनी राम साहू (ब्लॉक संयोजक, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन), रमेश कुमार नेगी (प्रदेश संयोजक, केशलेश चिकित्सा कर्मचारी कल्याणकारी), विनोद कुमार कुर्रे (जिला अध्यक्ष, आयुष कर्मचारी संघ), रमेश कुमार लहरी (छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक प्रतिनिधि), कोमल पौड्वाल (सिंचाई विभाग) तथा महेश शर्मा (कृषि विभाग) उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके सफल कार्यकाल की कामना की। पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन कानून के निष्पक्ष पालन, जनसुरक्षा और आम नागरिकों के विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। उन्होंने प्रशासनिक समन्वय और जनहित के कार्यों में सभी विभागों के सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने भी आश्वस्त किया कि कर्मचारी संगठनों की ओर से प्रशासन के साथ सकारात्मक सहयोग जारी रहेगा तथा जनहित और सुशासन से जुड़े कार्यों में समन्वित भूमिका निभाई जाएगी।

भव्य मंगल प्रवेश के साथ धमतरी में होगा चातुर्मास का शुभारंभ, धर्ममय होगा शहर का वातावरण

धमतरी। जैन समाज के सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक आयोजनों में शामिल चातुर्मास पर्व को लेकर धमतरी में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शहर में धर्म, साधना, तप और आराधना के इस महापर्व की शुरुआत 23 जुलाई 2026 गुरुवार को परम पूज्य रत्ननिधि श्री जी महाराज सा. आदि ठाणा.4 के भव्य मंगल प्रवेश के साथ होगी। इस अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में गुरु भगवंत की अगवानी करेंगे। परम पूज्य रत्ननिधि श्री जी महाराज सा. कैवल्यधाम तीर्थ प्रेरिका प्रवर्तिनी महोदया परम पूज्य निपुणा श्री जी म.सा. की सुशिष्या तथा संघ स्नेह वारिधि, प्रवचन प्रवीणा परम पूज्य स्नेहयशा श्री जी म.सा. की सुशिष्या हैं। उनके धमतरी आगमन को जैन समाज अत्यंत सौभाग्य का विषय मान रहा है। उनके सान्निध्य में पूरे चातुर्मास के दौरान प्रवचन, धर्मसभा, स्वाध्याय, तप, आराधना एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे समाज के साथ.साथ आम नागरिक भी आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मंगल प्रवेश यात्रा प्रातः 8 बजे गोल बाजार स्थित श्री आदिश्वर जिनालय से प्रारंभ होगी। इसके बाद श्रद्धालुओं की उपस्थिति में गुरु भगवंत का नगर में भव्य

स्वागत किया जाएगा। आयोजन को लेकर समाज के विभिन्न प्रकोष्ठों एवं स्वयंसेवकों को अलग.अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, ताकि व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके। इस अवसर पर जैन समाज द्वारा सभी श्रावक.श्राविकाओं से आर्यबिल तप करने की भावना रखने का आग्रह किया गया है। आर्यबिल की व्यवस्था श्री पार्श्वनाथ जिनालय, इतवारी बाजार में की गई है। साथ ही आर्यबिल करने वाले सभी तपस्वियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपना नाम पूर्व में श्री पार्श्वनाथ जिनालय कार्यालय में दर्ज करा दें, जिससे आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जा सकें। चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र गोलछा ने कहा कि चातुर्मास केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम, तप और आध्यात्मिक जागरण का महापर्व है। उन्होंने कहा कि परम पूज्य रत्ननिधि श्री जी महाराज सा. का धमतरी आगमन पूरे समाज के लिए अत्यंत सौभाग्य और गौरव का विषय है। उनके पावन सान्निध्य में समाज के लोगों को धर्मए संस्कार और सदाचार का अमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि चातुर्मास के दौरान आयोजित होने वाले प्रवचन, स्वाध्याय, तप एवं विभिन्न धार्मिक आयोजनों से नई पीढ़ी को जैन संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। समिति का प्रयास है कि यह चातुर्मास धार्मिक, सामाजिक और आध्यात्मिक दृष्टि से ऐतिहासिक एवं यादगार बने। वीरेंद्र गोलछा ने धमतरी सहित आसपास के क्षेत्रों के सभी श्रावक.श्राविकाओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे 23 जुलाई को प्रातः आयोजित भव्य मंगल प्रवेश में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर गुरु भगवंत का स्वागत करें तथा धर्मलाभ प्राप्त करें। उन्होंने आर्यबिल तप करने वाले श्रद्धालुओं से भी समय रहते अपना पंजीयन कराने का आग्रह किया। श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, धमतरी एवं श्री चातुर्मास व्यवस्था समिति, धमतरी ने सभी समाजजनों से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने और पूरे चातुर्मास के दौरान आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में नियमित सहभागिता निभाने की अपील की है।

बारिश की फुहारों के बीच सार्थक के विशेष बच्चों ने किया उत्साहपूर्वक पौधारोपण

धमतरी। समाज कल्याण विभाग, धमतरी द्वारा सहायता प्राप्त मानसिक दिव्यांग प्रशिक्षण एवं सेवा केंद्र, सार्थक स्कूल, धमतरी में पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश देते हुए आँवले का एक पौधा रोपा गया। सुबह से हो रही रिमझिम बारिश के बावजूद विशेष बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। वे वर्षा की बूंदों में भीगते हुए पूरे आनंद और उमंग के साथ पौधारोपण में सहभागी बने। बच्चों ने भारतीय परंपरा के अनुसार पौधे की पूजा.अर्चना कर उसे स्नेहपूर्वक मिट्टी में रोपा तथा उसके स्वस्थ और दीर्घायु होने की कामना की। पौधारोपण के दौरान बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता और आत्मीयता स्पष्ट झलक रही थी। संस्था के प्रशिक्षकों, सदस्यों तथा पालकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया और प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल का संकल्प भी दिलाया।

गौ विज्ञान परीक्षा शा.आईआईटी महा. भखारा के छात्र जितेंद्र ने सी ग्रुप में प्राप्त किया तृतीय स्थान

धमतरी। गौ विज्ञान तृतीय चरण की राज्य स्तरीय परीक्षा कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित की गई जिसके कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन, मुख्य वक्ता अजीत महापात्रा, अखिल भारतीय संयोजक गौ सेवा गतिविधि, अध्यक्षता चंद्रशेखर देवांगन प्रांत कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रायपुर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में गजेंद्र यादव शिक्षा मंत्री छत्तीसगढ़ शासन रायपुर, विश्वेश्वर पटेल अध्यक्ष गौ सेवा आयोग, सुधीर गौतम अध्यक्ष छत्तीसगढ़ शिक्षा आयोग, आत्मबोध अग्रवाल गौ सेवक एवं समाजसेवी रायपुर, गोपाल यादव कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मंच पर सुबोध राठी प्रांत परीक्षा प्रमुख गौ सेवा संगम, मनोज पांडेय प्रांत सह परीक्षा प्रमुख गौ सेवा संगम की आतिथ्य में संपन्न हुआ। राज्य स्तरीय गौ विज्ञान परीक्षा में शासकीय आईआईटी महाविद्यालय भखारा के छात्र जितेंद्र कुमार पिता भानु राम ने सी ग्रुप में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जितेंद्र कुमार साहू को तृतीय पुरस्कार स्वरूप 11000 की राशि भुगतान की गई। राज्य स्तरीय गौ विज्ञान परीक्षा में जितेंद्र कुमार ने तृतीय एवं धमतरी जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर धमतरी जिले एवं शासकीय आईआईटी महाविद्यालय भखारा का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर जिला संयोजक विनोद कुमार पांडेय, दजेंद्र पटेल प्रांत कोऑर्डिनेटर, हनुमान प्रसाद वर्मा जिला समन्वयक गौ विज्ञान, मधुलिका तिवारी जिला शिक्षा अधिकारी धमतरी, लीलाधर चौधरी जिला समन्वयक गौ विज्ञान, विज्ञान, विकासखंड शिक्षा अधिकारी धमतरी, कलीराम साहू विकासखंड शिक्षा अधिकारी नगरी, राजेश बैस विकासखंड शिक्षा अधिकारी कुरूद, मनीष कुमार ध्रुव विकासखंड शिक्षा अधिकारी मगरलोड, शेष नारायण गजेंद्र जिला नोडल अधिकारी गौ विज्ञान परीक्षा, शोभा दुबे विकासखंड नोडल अधिकारी धमतरी, पोखन लाल साहू एवं मनोज नेताम विकासखंड नोडल अधिकारी कुरूद, दयाराम साहू एवं देवेश साहू विकासखंड नोडल अधिकारी मगरलोड, एस के प्रजापति एवं राजेश तिवारी विकासखंड नोडल अधिकारी नगरी द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

दिनदहाड़े युवक की गला रेतकर हत्या

धमतरी। कुरूद क्षेत्रांतर्गत ग्राम नारी के खट्टी पुल के पास बुधवार सुबह हुई एक नृशंस हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान नीरज उर्फ राजा साहू उम्र 27 वर्ष, पिता खुमान साहू, निवासी कुंडेल मेघा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुबह लगभग 10 बजे अज्ञात हमलावर ने युवक पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में युवक के गले पर कई गहरे वार किए गए, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही करेली बड़ी चौकी से पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और घटना की तस्दीक करते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाया जा रहा है। शव को पंचनामा पश्चात पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। आरोपी की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों में जांच और खोजबीन

की जा रही है। दिनदहाड़े हुई इस जघन्य हत्या से ग्राम नारी एवं आसपास के क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। फ्लिहाल हत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है और पुलिस सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

पटवारी निलंबित :राजस्व रिकॉर्ड में गड़बड़ी करने का मामला

रायपुर। बेमेतरा जिले के ग्राम निनवा के पटवारी हल्का क्रमांक-40 की पटवारी श्रीमती अम्बा उपाध्याय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर के निर्देश पर निलंबन की यह कार्रवाई राजस्व रिकॉर्ड में कथित अनियमित फेरबदल के मामले में की गई है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बेमेतरा की जांच में सामने आया कि निलंबित पटवारी द्वारा निजी स्वामित्व वाली भूमि के खसरा क्रमांक 184/1 एवं 184/2 के राजस्व अभिलेख और नक्शे में सक्षम न्यायालय के आदेश के बिना बदलाव किया गया। यह कृत्य छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 115 एवं 116 के प्रावधानों के विपरीत किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्रशासन ने राजस्व कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के लिए पटवारी हल्का क्रमांक-40 का अतिरिक्त प्रभार हल्का क्रमांक-26 के पटवारी श्री मेघनाथ वर्मा को सौंप दिया है।

रायपुर में अपराध पर पुलिस की कार्रवाई, मारपीट-धमकी से लेकर चोरी और नशीली टैबलेट बरामदगी के मामले दर्ज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में बीते दिनों मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, चोरी, अवैध चाकू रखने और नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़े कई मामले सामने आए। पुलिस ने विभिन्न मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खमतराई थाना: धनलक्ष्मी नगर स्थित कृष्णा स्कूल के पास उधार पैसे के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि आरोपियों ने प्रार्थी से गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के से मारपीट करने के साथ उसकी स्कूटी की हेडलाइट तोड़ दी। पुरानी बस्ती थाना: कुशालपुर क्षेत्र में एक व्यक्ति और उसके साले के साथ बिना कारण गाली-गलौज और मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। कबीर नगर थाना: हीरापुर में पारिवारिक मामले में दखल देने की बात को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि आरोपी ने महिला से गाली-गलौज कर धमकी दी और मारपीट कर चोट पहुंचाई। टिकरापारा थाना: गोकुल नगर रोड स्थित शराब दुकान के पास अज्ञात दो युवकों द्वारा एक व्यक्ति से गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। मोवा थाना: बालाजी मेडिकल कॉलेज के कैंपस में घुसकर अज्ञात दो आरोपियों द्वारा एसी के आउटडोर यूनिट में लगे करीब 10 हजार रुपये कीमत के कॉपर पाइप चोरी करने का मामला सामने आया है।

प्रयोगशाला परिचालक भर्ती परीक्षा 26 जुलाई को, 16 हजार से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल, रायपुर द्वारा आयोजित प्रयोगशाला परिचालक के रिक्त पदों पर लिखित भर्ती परीक्षा (पीएसएलए-26) का आयोजन 26 जुलाई 2026 (रविवार) को जिले के 52 परीक्षा केंद्रों में किया जाएगा। परीक्षा प्रातः 10:00 बजे से 12:15 बजे तक आयोजित होगी। इस संबंध में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सोसायटी सभाकक्ष में ब्रीफिंग मीटिंग आयोजित की गई। परीक्षा के सुचारु एवं व्यवस्थित संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर उत्तम प्रसाद रजक को नोडल अधिकारी तथा विशेष रोजगार कार्यालय, रायपुर के रोजगार अधिकारी केदारनाथ पटेल को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। परीक्षा में कुल 16 हजार 987 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्री का वितरण 26 जुलाई को प्रातः 6:00 बजे जिला कोषालय, कलेक्टर परिसर, रायपुर से किया जाएगा। नोडल अधिकारी ने परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन के लिए सभी पर्यवेक्षकों तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

प्रोजेक्ट पाई-पाई के तहत वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में संचालित प्रोजेक्ट पाई-पाई के तहत भारतीय रिजर्व बैंक, नवा रायपुर के नेतृत्व में कृष्णा इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, धनलक्ष्मी नगर, भनपुरी में आज वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को बैंकिंग सेवाओं, वित्तीय प्रबंधन तथा सुरक्षित डिजिटल लेन-देन के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बैंकिंग योजनाओं, बजट निर्माण, बचत एवं निवेश के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल अरेस्ट, साइबर फ्रॉड एवं ऑनलाइन ठगी जैसे बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में भी बताया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को सतर्क रहकर सुरक्षित बैंकिंग व्यवहार अपनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल

स्वस्थ बच्चे और कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के लिए बनेगी रणनीति

- यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से सभी संबंधित विभाग मिलकर तैयार करेंगे प्रभावी कार्ययोजना
- स्वस्थ माताएं और स्वस्थ बच्चे ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज मंत्रालय महानदी भवन में भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सुश्री सिंथिया मैककैफ्रे ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कुपोषण उन्मूलन तथा बच्चों के समग्र विकास को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा बच्चों के पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और इन क्षेत्रों में स्थायी सुधार के लिए सभी विभागों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि स्वस्थ माताएं और स्वस्थ बच्चे ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा आदिम जाति विकास विभाग सहित सभी संबंधित विभाग यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से एक समन्वित और परिणामोन्मुख कार्ययोजना तैयार करें, जिससे शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर और कुपोषण में कमी लाई जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं का प्रभाव तभी बढ़ेगा, जब विभिन्न विभाग साझा लक्ष्य और समन्वित कार्यप्रणाली के साथ काम करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से ऐसी मल्टी-सेक्टोरल रणनीति तैयार करने को कहा, जिससे स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचे और बच्चों के पोषण स्तर में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित हो। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुश्री सिंथिया

मैककैफ्रे का शॉल एवं छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक 'नंदी' भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। वहीं सुश्री मैककैफ्रे ने भारत में यूनिसेफ के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी विशेष स्मारक डाक टिकट मुख्यमंत्री को भेंट किया। यूनिसेफ की भारत प्रतिनिधि सुश्री सिंथिया मैककैफ्रे ने मुख्यमंत्री का जय जोहार कहकर अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध संस्कृति और सरल-सहज लोगों का प्रदेश है। उन्होंने बताया कि यूनिसेफ लंबे समय से राज्य सरकार के साथ मिलकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार और यूनिसेफ के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश के बच्चों का भविष्य अधिक सुरक्षित, स्वस्थ और समृद्ध बनेगा। बैठक में मंत्रिमंडल के सदस्य, मुख्य सचिव श्री विकासशील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, छत्तीसगढ़ में यूनिसेफ की प्रमुख सुश्री सीमा कुमार, श्री अनिल गुलाटी तथा डॉ. बाल पारितोष दास उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने आगामी 18, 19 एवं 20 सितंबर को रायपुर में आयोजित होने वाले 14वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर (आईआईएफ) की तैयारियों, उद्देश्यों एवं आयोजन की विस्तृत रूपरेखा से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे राष्ट्रीय स्तर के औद्योगिक आयोजन प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को नई दिशा देने के साथ-साथ निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को भी गति प्रदान करते हैं।

छत्तीसगढ़ में मानसून का असर तेज एक हफ्ते तक बारिश की संभावना

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में मानसून का असर तेज, अगले 1 हफ्ते तक बारिश की संभावना, कई जिलों में अलर्ट जारी छत्तीसगढ़ में मानसून असर लगातार तेज होते जा रहा है.। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अगले एक सप्ताह तक बारिश होने की मौसम विभाग ने संभावना जताई है। राजधानी रायपुर में मंगलवार सुबह-सुबह बूंदाबादी हुई. साथ ही आसमान में बादलों छाया हुआ है। अगले चौबीस घंटे में भी ज्यादा प्रभाव उत्तरी इलाका में रहने के आसार हैं। प्रदेश में गुरुवार से भारी बारिश का दूसरा दौर प्रारंभ हुआ था, जिसका असर अगले एक दो दिन में समाप्त होने की संभावना बन रही है। पिछले चौबीस घंटे में मानसूनी गतिविधि उत्तरी इलाके में ही सिमटी रही और कुछ एक इलाकों में अतिभारी से भारी वर्षा हुई। रायपुर शहर और आसपास के इलाकों में आज सुबह से बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने 21 जुलाई को आकाश में बादल छाने रहने के अलावा बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। मौसम विशेषज्ञों मुताबिक 21 जुलाई को अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा या गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। भारी वर्षा का क्षेत्र एक दो स्थानों तक सीमित रह सकता है। कुछ दिन तक बारिश की गतिविधि में विराम लगा रहेगा, इसके बाद बंगाल की खाड़ी में नया सिस्टम तैयार होने की उम्मीद है, जो उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ता है, तो प्रदेश में अच्छी बारिश हो सकती है। पिछले चौबीस घंटे में प्रतापपुर में 11, लवन, बलौदाबाजार में 7-7, मनोरा में 6, दर्गी, ओडगी, पलारी, माना में 5 सेमी. तक पानी बरसा है। मौसम विभाग ने कई जिलों में सुबह के समय बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, दुर्ग, बेमेतरा और मुंगेली में 60 किमी की रफ्तार से हवाएं चलने, आकाशीय बिजली और बारिश की संभावना जताई गई है।

नगर निगम जोन 10 ने स्वच्छता व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वच्छता से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने जोन 10 क्षेत्र अंतर्गत डुंडा बोरिया में स्थित देवी स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट की स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन 10 जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा के मार्गनिर्देशन में किया गया. स्वच्छता व्यवस्था के औचक निरीक्षण के दौरान गन्दगी फैलाया जाना और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम का उल्लंघन करना पाया गया. प्राप्त जनशिकायत स्थल पर पूरी तरह सही मिलने पर निर्देशानुसार जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा एवं स्वच्छता निरीक्षक यशवंत बेरिहा द्वारा देवी स्वीट्स डुडुन्ना रेस्टोरेंट के सम्बंधित संचालक को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी।

कांग्रेस कार्यकाल की दूरदर्शिता से मिली थी 125 सीटों की सौगात

मेडिकल कॉलेज में अव्यवस्था का जिम्मेदार है भाजपा की सरकार......

रायपुर। संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छग शासन एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने महासमुंद मेडिकल कॉलेज की बदहाल स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि कांग्रेस शासन में जनता की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिस दूरदर्शिता और संघर्ष के साथ महासमुंद में मेडिकल कॉलेज की स्थापना कराई गई थी, आज भाजपा की साय सरकार उसी विरासत को संभालने में पूरी तरह असफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि उनके विधायकी कार्यकाल में कांग्रेस की भूपेश सरकार ने एड़ी चोटी का जोर लगाकर प्रदेश के

दूरस्थ अंचल में चिकित्सा शिक्षा की अलख जगाई और कड़ी मेहनत के बाद महासमुंद मेडिकल कॉलेज को 125 एमबीएस सीटों की स्वीकृति दिलाई गई। यह स्वीकृति केवल एक घोषणा नहीं थी, बल्कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को अपने ही प्रदेश में डॉक्टर बनने का अवसर देने और आम जनता को सस्ती व सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था। श्री चंद्राकर ने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा सरकार इस महत्वपूर्ण संस्थान को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रही है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने हाल ही में कॉलेज का निरीक्षण कर फैकल्टी, अस्पताल और हॉस्टल में गंभीर कमियां पाई हैं और सुधार के लिए मात्र 45 दिन का अल्टीमेटम दिया है। यह अल्टीमेटम कोई पहला नहीं है। हर साल इसी तरह की चेतावनी मिलती है, लेकिन भाजपा सरकार की लचर कार्यप्रणाली और काम करने की इच्छाशक्ति की कमी के कारण आज तक स्थिति नहीं सुधरी।

वेतन के विरुद्ध अल्पावधि ऋण योजना बनी छत्तीसगढ़ कर्मचारियों का सहारा..

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ की प्रगति में एक ऐसा अध्याय जुड़ गया है, जो प्रशासनिक सुधार के साथ ही राज्य के लाखों शासकीय कर्मचारियों के जीवन में नई उम्मीद और सुरक्षा का संचार भी कर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रारंभ की गई 'वेतन के विरुद्ध अल्पावधि ऋण योजना' सुशासन की दिशा में एक महवपूर्ण कदम है। कर्मचारी कल्याण को केंद्र में रखकर तैयार की गई यह योजना एक वित्तीय सुविधा, संवेदनशील शासन, आधुनिक तकनीक और मानवीय दृष्टिकोण का संगम है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट किया है कि शासकीय सेवक राज्य के विकास के मूल में हैं। राज्य के मुखिया का मानना है कि जब कर्मचारी मानसिक और आर्थिक रूप से सशक्त होंगे तभी वह शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंच पाएंगे। यही सोच इस योजना की आत्मा है। आज के दौर में स्वास्थ्य संबंधी, पारिवारिक आवश्यकता या अन्य आपात स्थिति जैसी आकस्मिक परिस्थितियां किसी भी कर्मचारी को आर्थिक संकट में डाल सकती हैं। ऐसे विपरीत समय में उनको निजी साहूकारों या ऊँचे ब्याज दर वाले ऋण विकल्पों का सहारा लेना पड़ता है जिससे वे और अधिक मानसिक दबाव वाली परिस्थिति में आ जाते हैं। सीएम साय की 'वेतन के विरुद्ध अल्पावधि ऋण योजना' कर्मचारियों की आर्थिक समस्या का सीधा और सटीक समाधान प्रस्तुत करती है। बिना ब्याज, त्वरित और सम्मानजनक आर्थिक सहायता, डिजिटल क्रांति का सशक्त उदाहरण बन रहा है। ई-कोष प्रणाली की सबसे बड़ी शक्ति है इसका पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी स्वरूप का होना। ई-कोष (द्व-च्शद्धाद्ध) प्रणाली के माध्यम से इस योजना को लागू किया गया है इस सुविधा में कर्मचारी घर बैठे ही आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत कर्मचारियों के द्वारा लिए गए ऋण पर कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं आता। आवेदन की पूरी प्रक्रिया पेपरलेस है जिसमें न फाइलों का झंझट है और न ही कार्यालय के चक्कर। इस योजना के लिए ई-केवाईसी आधारित सत्यापन एक तेज और सुरक्षित प्रक्रिया है। पारदर्शिता और समय की बचत के साथ भुगतान हितग्राहियों के बैंक खाते में सीधा पहुँचाया जा रहा है। प्राप्त ऋण का वेतन से आसानी से पुनर्भुगतान करने के लिए स्वचालित किस्त कटौती का प्रावधान है।

महादेव ऐप केस : ओमान में गिरफ्तार सौरभ चंद्राकर का फर्जी पासपोर्ट वायरल

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप के प्रमुख आरोपी सौरभ चंद्राकर की ओमान में गिरफ्तारी के बाद जांच में नया खुलासा सामने आया है। सोशल मीडिया पर उसका कथित फर्जी पासपोर्ट वायरल हो रहा है, जिसमें फोटो सौरभ चंद्राकर की है, लेकिन नाम श्रीलंकाई क्रिकेटर अजंता मेंडिस का दर्ज बताया जा रहा है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि प्रत्यर्पण और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए उसने फर्जी पहचान का सहारा लिया। जांच एजेंसियों के अनुसार, सौरभ चंद्राकर ने कथित तौर पर फर्जी पासपोर्ट के जरिए ओमान में प्रवेश किया। पासपोर्ट संख्या श्व3387986 वाले दस्तावेज में उसे 11 मार्च 1998 को जन्मा दक्षिण-पूर्व एशियाई नागरिक दर्शाया गया है। दस्तावेज के अनुसार यह पासपोर्ट 21 जून 2024 को जारी हुआ था और इसकी वैधता 21 जून 2034 तक बताई गई है। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह फर्जी दस्तावेज किस नेटवर्क के माध्यम से तैयार किया गया और इसका उपयोग कैसे किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि सौरभ चंद्राकर और उसके सहयोगी रवि उप्पल ने पहले वानूआतू की नागरिकता हासिल की थी। उस दस्तावेज में सौरभ की जन्मतिथि 13 जनवरी 1995 दर्ज है, जबकि कथित फर्जी पासपोर्ट में जन्मतिथि 11 मार्च 1998 दिखाई गई है।

स्वस्थ पशुधन,समृद्ध किसान मुंगेली में 582 शिविरों से बदली पशुपालन की तस्वीर

- 07 लाख 67 हजार से अधिक पशुओं का हुआ टीकाकरण

रायपुर/ संवाददाता

मुंगेली जिले में पशुधन संरक्षण, उन्नत नस्ल विकास एवं पशुपालकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से पशुधन विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उपचार, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, रोग नियंत्रण एवं गांव-गांव आयोजित स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से जिले में पशुपालन को नई दिशा मिली है। इन प्रयासों से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होने के साथ दुग्ध उत्पादन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. आर.एम. त्रिपाठी ने बताया कि वर्ष 2025-26 के दौरान जिले में 67 हजार 257 पशुओं का उपचार किया गया। वहीं एक लाख 22 हजार 804 पशुओं को औषधियों का वितरण, 93 हजार 561 पशुओं को कृमिनाशक दवा तथा एक लाख 09 हजार 84 पशुओं को किलनी मुक्त करने के लिए डिटिकिंग की गई। पशु स्वास्थ्य सेवाओं के इस व्यापक अभियान से हजारों पशुपालकों को सीधा लाभ मिला। नस्ल सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत 09 हजार 978 निकृष्ट सांडों का बंधियाकरण किया गया। साथ ही 20 हजार 341 गाय एवं भैंसों में कृत्रिम गर्भाधान कराया गया, जिसके परिणामस्वरूप 05 हजार 685 उन्नत नस्ल के बछड़ों का जन्म हुआ। इनमें 02 हजार 900 से अधिक मादा बछियां शामिल हैं, जो भविष्य में अधिक दुग्ध उत्पादन कर पशुपालकों की आय में महत्वपूर्ण वृद्धि करेंगी। छत्तीसगढ़ शासन की लिंग वर्गीकृत वीर्य योजना के तहत 123 गायों का कृत्रिम गर्भाधान कराया गया, जिससे 99 मादा बछियों का जन्म हुआ। यह उपलब्धि जिले में उच्च उत्पादक पशुधन तैयार करने की दिशा में एक बड़ी सफलता है। पशुओं को संक्रामक एवं जानलेवा बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए जिले के 02 लाख 59 हजार 348 पशुधन में 07 लाख 67 हजार 531 प्रतिबंधात्मक टीकाकरण किए गए। इनमें गलघोंटू एवं एकटंगिया, खुरहा-चपका, लम्पी स्किन डिजीज, इंटरोटॉक्सीमिया तथा पीपीआर जैसी बीमारियों से बचाव के टीके शामिल हैं। इसके अतिरिक्त ब्रुसेलोसिस की रोकथाम के लिए 881 बछियों का टीकाकरण तथा 04 हजार 63 पशुओं को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। पशु रोगों की समय पर पहचान के लिए रक्त, गोबर, ट्यूबरक्लोसिस एवं जॉन्सडिसीज सहित विभिन्न प्रयोगशाला जांच भी नियमित रूप से की गईं। पशुपालकों को घर के समीप बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में 582 बहुउद्देशीय पशु स्वास्थ्य एवं टीकाकरण शिविरों का आयोजन किया गया।

बालोद में असर दिखा रही प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

गुरूर के आशुतोष पंचागम का बिजली बिल 10 हजार रुपए से घटकर हुआ 12 सौ रुपए

- सौर ऊर्जा से बढ़ी बचत और आत्मनिर्भरता, 3 किलोवाट के सोलर प्लांट पर 1.08 लाख रुपए की मिली सहायता

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में इसके प्रभावी क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ के हजारों परिवारों को आर्थिक राहत मिल रही है। बालोद जिले में भी यह योजना आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। जिले के गुरूर निवासी श्री आशुतोष पंचागम इसका प्रेरणादायी उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित कर बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी हासिल की है। पिछले सात महीनों से संचालित इस सोलर प्लांट का लाभ अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। आशुतोष पंचागम बताते हैं कि सोलर प्लांट लगने से शुरुआती महीनों में उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य रहा। वहीं भीषण गर्मी के मौसम में, जब घर में एयर कंडीशनर, कूलर और पंखों का अधिक उपयोग हुआ, तब भी उनका बिजली बिल, जो पहले 8 से 10 हजार रुपये तक पहुंच जाता था, घटकर लगभग 1200 से 1500 रुपये रह गया। आशुतोष पंचागम ने बताया कि योजना के तहत आवेदन की पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और नागरिकों के लिए सुविधाजनक है। आवेदन के बाद अधिकृत वेंडर द्वारा घर का निरीक्षण किया गया तथा ऋण और सब्सिडी से संबंधित सभी जानकारियां उपलब्ध कराई गईं। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद कम समय में ही उनके घर पर सोलर प्लांट स्थापित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार से कुल 1 लाख 8 हजार रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे सोलर प्लांट लगाने का आर्थिक बोझ काफी कम हो गया।

संपादकीय

सोनम वांगचुक, बिगड़ती सेहत- क्या सरकार की चुप्पी ही असली परीक्षा है?

सरकार को उनसे बातचीत करना और अनशन खत्म कराना जरूरी नहीं लग रहा है। सवाल है कि सरकार के ऐसे रुख को लोकतंत्र के आईने में किस नजरिए से देखा जाएगा। शनिवार को भी सोनम वांगचुक दवा लेने से इंकार कर दिया था। किसी भी लोकतंत्र में जनता की ओर से अगर सरकार के रुख या उसकी नीतियों पर सवाल उठाया जाता है, तो एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह स्वाभाविक स्थिति है। ऐसे में सरकार का दायित्व होता है कि वह उन सवालों पर विचार करे, हर संभव और संतुष्ट करने वाला उचित उत्तर दे। विडंबना यह है कि कई बार सरकार की ओर से जन-आंदोलनों को लेकर उदासीनता या फिर उपेक्षा का भाव दिखाया जाता है और इसी वजह से कोई समस्या सुलझने के बजाय और ज्यादा जटिल हो जाती है।नीट परीक्षा में गड़बड़ी के विरोध में जब युवाओं ने दिल्ली के जंतर मंतर पर आंदोलन शुरू किया, तभी सरकार को उनके साथ बातचीत करके कोई समाधान निकालने की कोशिश करनी चाहिए थी। मगर सरकार की अनदेखी के बाद भी जिस तरह लोगों ने इस मसले पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को उठाना जारी रखा है, उससे साफ है कि वे फिलहाल इसे एक प्रतीकात्मक हल की तरह देख रहे हैं। हैरानी की बात है कि सरकार को आंदोलनकारियों के साथ संवाद स्थापित करके कोई रास्ता निकालना जरूरी नहीं लग रहा।हालांकि सरकारी उदासीनता के बावजूद प्रश्नपत्र लीक होने और परीक्षा रद्द होने के मुद्दे पर शुरू हुआ आंदोलन अभी जारी है और अब कई नेता भी वहां अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। मगर इस बीच पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन के साथ जुड़ने और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठने के बाद जंतर मंतर पर युवाओं के आंदोलन को नई गति मिली है और वे अपनी मुख्य मांग पूरी करने पर जोर दे रहे हैं।मगर यह चिंता की बात है कि करीब तीन हफ्ते से लगातार अनशन पर रहने की वजह से जहां सोनम वांगचुक की सेहत में लगातार गिरावट आ रही है, वहीं सरकार को उनसे बातचीत करना और अनशन खत्म कराना जरूरी नहीं लग रहा है। सवाल है कि सरकार के ऐसे रुख को लोकतंत्र के आईने में किस नजरिए से देखा जाएगा। क्या यह सरकार के लिए एक शर्मिंदा करने वाली स्थिति नहीं होनी चाहिए कि दिल्ली उच्च न्यायालय को यह याद दिलाना पड़ रहा है कि अनशन पर बैठे एक आंदोलनकारी को लेकर सरकार का क्या दायित्व होना चाहिए?गौरतलब है कि गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर हर रोज नजर रखें और जरूरत पड़ने पर उन्हें चिकित्सीय मदद मुहैया कराएं। अदालत ने एक अहम टिप्पणी की कि जिंदगी अनमोल है और उसे बचाने के लिए अधिकारियों को सारे चिकित्सीय प्रयास करने चाहिए।

शासन-प्रशासन के भरोसे ही क्यों? हर व्यक्ति को निभानी होगी अपने कर्तव्यों की जिम्मेदारी !

नीलेश वर्मा

आज हम आए दिन न्यूज़ चैनलों पर देखते हैं कि बेटी ने माता-पिता की हत्या की साजिश रची, पत्नी ने पति की हत्या कर दी, एक छोटे बच्चे ने मोबाइल न देने पर अपनी माँ को गोली मार दी, डेढ़ वर्ष के बच्चे को जमीन पर पटक-पटककर मौत के घाट उतार दिया, एक बालिका को बेचने के बाद 32 लोगों ने उसका बलात्कार किया, तो कहीं पिता की अश्लीकल हरकतों से परेशान किशोरी घर छोड़कर भागी। वहीं बीच-बीच में हम देखते हैं कि पर्यावरण का संतुलन निरंतर बिगड़ रहा है, भूमिगत जलस्तर गिरता जा रहा है, कहीं भीषण बाढ़ है, तो कहीं अकाल की स्थिति है, अचानक आग लगने से कई लोगों की मृत्यु हो जाती है, शोधों में पेयजल, खाद्य पदार्थों तथा माँ के दूध में विषैले तत्व पाए जा रहे हैं, कैंसर और पक्षाघात जैसी गंभीर बीमारियाँ अब सामान्य होती जा रही हैं तथा कुछ बीमारियों में तो दवाएँ भी लाइलाज सिद्ध होती जा रही हैं। यह सिलसिला यहीं नहीं रुकता है, अब देखने में आ रहा है कि पालतू जानवरों के व्यवहार में भी परिवर्तन आया है, वे आक्रामक और हिंसक होते जा रहे हैं, कहीं वे बच्चों को तो कहीं वयस्कों को नोचते-काटते हैं, यहाँ तक कि पूरा खा जाते हैं और जो लोग बच जाते हैं, वे रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी के कारण कुछ ही महीनों में मृत्यु का शिकार हो जाते हैं। यह वह भयानक घटनाएं हैं जिनका संज्ञान सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिया गया है और समय-समय पर जनहित में आदेश दिये गये हैं।

देश में घटित इन घटनाओं की भयानक खबरों से मन विचलित होता है, फिर हम आश्चर्य और दुख व्यक्त करते हुए कलयुग का प्रभाव है कहकर पुनः अपनी दिनचर्या में लग जाते हैं, क्यों कि यह अनिष्ट स्वयं के साथ नहीं हुआ है, यह दर्द हमारा नहीं है। हम यह चिंतन नहीं करते कि इन घटनाओं के पीछे की मूल जड़ क्या है? और यह स्वयं हमारे साथ भी हो सकता है। विषय-विद्वान भावी भयानक परिणामों से परिचित होने के बावजूद अपनी बात आमजन तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुँचा पाते। इन हृदयविदारक घटनाओं के बाद हम पुलिस, प्रशासन और न्यायालय से परिवर्तन एवं न्याय की आशा करते हुए अगली घटना की प्रतीक्षा करने लगते हैं, लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर हम अपनी महत्वाकांक्षाओं, संस्कारों, नैतिक मूल्यों, मानवीय गुणों तथा लालच की प्रवृत्ति पर विचार कर अपने कर्तव्यों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने का प्रयास कभी नहीं करते। समाज के प्रत्येक व्यक्ति के साथ ही पुलिस, वकील, न्यायाधीश, डॉक्टर, पत्रकार और प्रशासनिक अधिकारी अपने स्तर पर, जहाँ वह हैं, वहीं से दृढ़ता के साथ पूरी ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करने का प्रयास करे, तो ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति अवश्य रोकी जा सकती है।

विगत कुछ वर्षों से परिवार के भीतर होने वाले अपराधों में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है। माता-पिता, पति-पत्नी, भाई-बहन और बच्चों के बीच विश्वास, संवाद और सम्मान का स्थान स्वार्थ, क्रोध, अहंकार और असहिष्णुता लेते जा रहे हैं। भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में परिवार साथ रहते हुए भी मानसिक रूप से दूर हो गए हैं। बच्चों के लिए माता-पिता के पास समय नहीं है और बुजुर्ग उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। हमें अब परिवार को केवल आर्थिक इकाई नहीं, बल्कि संस्कारों की प्रथम पाठशाला बनाना होगा। प्रतिदिन परिवार के सभी सदस्यों का कुछ समय साथ बैठना, संवाद करना, भोजन साथ करना, बच्चों को नैतिक शिक्षा देना, बड़ों का सम्मान और छोटों के प्रति स्नेह का वातावरण बनाना आवश्यक है। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को भी चरित्र निर्माण के अभियान चलाने चाहिए। कानून अपराध होने के बाद दंड दे सकता है, लेकिन संस्कार अपराध होने से पहले रोक सकते हैं।

मोबाइल और इंटरनेट ने जीवन को सरल बनाया है, लेकिन अनियंत्रित उपयोग ने बच्चों के मानसिक विकास पर गंभीर प्रभाव डाला है। हिंसक खेल, अश्लील सामग्री, सोशल मीडिया की लत और वास्तविक जीवन से दूरी बच्चों में चिड़चिड़ापन, आक्रामकता और असंवेदनशीलता बढ़ा रही है। माता-पिता स्वयं डिजिटल अनुशासन अपनाकर बच्चों के मोबाइल उपयोग की समय-सीमा तय करें और उनकी ऑनलाइन गतिविधियों पर निगरानी रखें। उन्हें खेल, पुस्तकें, संगीत, योग, ध्यान और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ें। बच्चों को विद्यालयों में डिजिटल साक्षरता के साथ डिजिटल नैतिकता की भी शिक्षा दी जाये। महिलाओं और बच्चियों के साथ बलात्कार, मानव तस्करी, घरेलू हिंसा तथा अन्य अपराध समाज पर कलंक हैं। ऐसे अपराध सामाजिक सोच के पतन का संकेत हैं। बचपन से ही लड़कों को महिलाओं के सम्मान, समानता और संवेदनशील व्यवहार की शिक्षा दी जाए, क्योंकि उनकी सुरक्षा पूरे समाज की जिम्मेदारी है। तेजी से गहराते पर्यावरण संकट का प्रमुख कारण मानव की स्वार्थपूर्ण जीवनशैली है। अंधाधुंध वृक्षों की कटाई, प्रदूषण, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग, जल का दुरुपयोग तथा प्राकृतिक संसाधनों के अनियंत्रित दोहन से बाढ़, सूखा, भीषण गर्मी और असामान्य वर्षा जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। प्रत्येक नागरिक अधिक से अधिक पौधे लगाए, उनकी देखभाल करे, वर्षा जल संचयन करे, प्लास्टिक का उपयोग कम करे, जल संरक्षण करे तथा स्वच्छता व हरित अभियान चलाए। प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है।

भारत में कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, पक्षाघात तथा मानसिक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। प्रदूषित भोजन, रसायनों का अत्यधिक उपयोग, तनावपूर्ण जीवन, व्यायाम की कमी तथा असंतुलित खान-पान इसके प्रमुख कारण हैं। आज प्रत्येक व्यक्ति आलस्य त्यागकर योग, नियमित व्यायाम, संतुलित भोजन, नशामुक्त जीवन एवं समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण को जीवन का हिस्सा बनाये, क्योंकि सरकार स्वास्थ्य सुविधाएँ दे सकती है, लेकिन स्वस्थ रहने का निर्णय व्यक्ति को स्वयं लेना होगा। जंगली एवं पालतू पशुओं का बदलता व्यवहार भी गंभीर चुनौती है। बढ़ते शहरीकरण, जंगलों की कटाई, भोजन की कमी तथा मानव की लापरवाही के कारण पशुओं का व्यवहार आक्रामक हो रहा है। वनों का संरक्षण, सुरक्षित आवास, नसबंदी अभियान, समय पर टीकाकरण तथा पशुओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार आवश्यक है। आज समाज अपनी संवेदनशीलता खो रहा है। दुर्घटना या अपराध होने पर सहायता करने के बजाय लोग वीडियो बनाने में अधिक रुचि दिखाते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना होगा। पड़ोस, मोहल्ला, ग्राम और नगर स्तर पर सामाजिक सहयोग की परंपरा को मजबूत किया जाए तथा रक्तदान, अंगदान, आपदा सहायता, वृद्ध सेवा और जरूरतमंदों की मदद जैसे कार्यों में समाज की भागीदारी बढ़ाई जाये।

समाज में घटने वाली घटनाओं के लिए केवल शासन-प्रशासन ही नहीं, नागरिक भी उत्तरदायी हैं।

हर समस्या का समाधान सरकार से अपेक्षित करना उचित नहीं है। सरकार कानून बना सकती है, प्रशासन व्यवस्था लागू कर सकता है और न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन समाज का चरित्र नागरिक ही बनाते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति ईमानदारी, अनुशासन, कर भुगतान, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सम्मान, यातायात नियमों के पालन तथा सामाजिक उत्तरदायित्व को अपना कर्तव्य मान ले, तो देश की अधिकांश समस्याएँ स्वतः कम हो जाएँगी। बच्चों में प्रारंभ से ही महिला सम्मान, संस्कार और नैतिकता का बीज बोना होगा, जिससे युवावस्था में वह एक जिम्मेदार व चरित्रवान नागरिक बन सकें और तेजी से गर्त में जाते समाज को बचा सकें। इससे हमारी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित तथा संस्कारित वातावरण मिलने के साथ ही अनेक सामाजिक समस्याओं का स्थायी समाधान प्रारंभ हो जाएगा।

- लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

जिस नदी को हमने गंदा किया, आज उसी से पानी मांग रहे हैं

सभ्यता में जिस पानी को हमारे प्राचीन पुराणों और शास्त्रों में साक्षात 'जीवन' का पर्यायवाची माना गया है, उसी के पवित्र गले में इंसानों ने अपनी चमचमाती फैक्टरियों की बदबूदार और काली नालियां बेझिझक डाल दीं।

जल का कोई अपना रंग नहीं होता। उसे जिस पात्र में डाला जाए, वह उसी का रूप धर लेता है, लेकिन इंसानी सभ्यता का चरित्र यह रहा है कि उसने नदी को पात्र में कम, अपनी महत्त्वाकांक्षाओं के सांचे में ज्यादा ढाला है। नदी जब पहाड़ों की गोद में एक अल्हड़, निश्छल और बेपरवाह बच्चे की तरह किलकारियां मारती हुई नीचे की तरफ भागती थी, तब इंसानों ने श्रद्धावश उसकी लहरों को देखकर तालियां बजाईं और उसे 'शानदार नदी' का पावन खिताब दिया। वैदिक ऋचाओं के उस कालखंड को याद करें, तो ऋग्वेद के नदी सूक्त का वह मंत्र कानों में गूंज उठता है, जहां नदियों की स्तुति करते हुए उन्हें 'अम्बितमे नदीतमे देवितमे सरस्वति' कहा गया था, यानी जो माताओं में सर्वश्रेष्ठ है, नदियों में उत्तम है और देवियों में प्रधान है।

समय बदला और जब नदी ने थोड़ा ठहरना, थोड़ा संभलना और थोड़ा गंभीर होना सीखा, तो मैदानी इलाकों में आकर इन्हीं इंसानों ने उसके ऊपर 'गंभीर दरिया' की नई तख्ती लटका दी। मुसाफिरों और शायरों ने उसकी लहरों के इस ठहराव को देखकर शेर-ओ-शायरी की महफिलें सजानी शुरू कर दीं। किसी ने इब्न-ए-इंशार की तरह गुनगुनाया कि 'इस नदी पर कोई घाट नहीं, इस दरिया का कोई साहिल नहीं', तो किसी ने उसकी गहराई को इंसानी इश्क की इंतिहा बता दिया। मगर यह नामों का खेल दरअसल नदी के वजूद का सम्मान नहीं, बल्कि इंसान की अपनी सहूलियत का एक तराशा हुआ बहाना भर है।

जब वह मीलों का सफर तय करके थककर चूर हो गई और आखिर समंदर की अनंत गोद में जाकर चुपचाप गुम हो गई, तो लोगों ने उसके ऊपर 'विशाल समंदर' का एक बड़ा-सा बोर्ड टांग दिया और उसे एक नई पहचान दे दी। जीवनदायिनी नदियों को सिर्फ निरंतर बहते रहना था।

सभ्यता में जिस पानी को हमारे प्राचीन पुराणों और शास्त्रों में साक्षात 'जीवन' का पर्यायवाची माना गया है, उसी के पवित्र गले में इंसानों ने अपनी चमचमाती फैक्टरियों की बदबूदार और काली नालियां बेझिझक डाल दीं। जिन नदियों को जीवन का स्रोत माना गया, उनकी पूजा की गई, आज वही जल रासायनिक कचरे की वजह से अपना जीवन-तत्त्व खो रही है। अब नदियों की लहरों का रंग न तो आसमान जैसा नीला रह गया है और न ही वादियों जैसा हरा, बल्कि वह एक अजीबोगरीब गाढ़े कत्थई रंग के जहर में तब्दील हो गई दिखती है।आधुनिक शहर के संभ्रांत लोग रोजाना शाम को उसके इन प्रदूषित किनारों पर टहलने आते थे, अपने लाखों रुपए के कैमरों से उसकी लाचारी और बदहाली की खूबसूरत तस्वीरें खींचते थे, फिर सोशल मीडिया पर 'प्रकृति का प्रेमी' तथा 'जल बचाओ' का तमगा लगा कर वाहवाही लूटते थे। विडंबना यह कि वे उसी वक्त अपनी कारों में रखा प्लास्टिक का ढेर सारा कचरा और जहरीली बोतलें नदी में फेंक देते थे। वह नदी हर पल घुट रही थी, चीख रही थी, लेकिन उसकी करुण पुकार उनके लाउडस्पीकरों के शोर में घुट रही थी।

यहां तक कि रहीम का वह प्रसिद्ध दोहा भी अब एक मजाक लगने लगा था, जहां उन्होंने कहा था, 'रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।' इंसानों ने पानी रखने की चिंता तो छोड़ दी थी, अलबत्ता जो पानी बचा था, उसे भी पूरी तरह से बेजान और बेआबरू करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी।

जो नदियां कभी मीलों चौड़ी हुआ करती थीं, अब महज एक पतली बदबूदार लकीर बनकर रह गई हैं। ठीक वैसे ही, जैसे किसी मरणासन्न और बेहद बीमार बूढ़े इंसान के हाथों पर नीली और सूखी हुई नसें उभर आती हैं। पूरे शहर में पानी का एक भयंकर और हाहाकारी अकाल पड़ गया था। विरोधाभास यह था कि जो लोग कल तक उसमें फैक्टरियों की गंदगी से लेकर मल-मूत्र बहाते थे, आज वही लोग प्लास्टिक की बड़ी-बड़ी बाल्टियां और डिब्बे लेकर उसके सूखे हुए किनारों पर कतारें लगाकर खड़े दिखते हैं। उनके चेहरों पर कई बार प्यास से ज्यादा अपनी मौत का एक गहरा और खौफनाक मंजर साफ दिखता है।

इंसानी लालच ने नदियों के प्राकृतिक भूगोल को एक कृत्रिम इतिहास में तब्दील कर दिया है। वे तमाम भविष्यवाणियां और चेतावनियां आज सच साबित हो रही हैं, जहां प्रकृति के असंतुलन को विनाश का सूचक बताया गया था। जिस जल को 'अमृत' कहा गया, वह आज कंक्रीट की बलिवेदी पर अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। जब नदी के बहते हुए पानी का मूल्य केवल टर्बाइन और डालर के तराजू पर तौला जाने लगे, तो सभ्यता का मानसिक अकाल साफ दिखने लगता है।

यह कैसी प्रगति है, जहां विकास के बड़े-बड़े विज्ञापनों के पीछे एक जलस्रोत की मरणशील चीखें छिपी हुई हैं? यह जल का संकट नहीं है, बल्कि यह इंसानी संवेदनाओं के पूरी तरह से सूख जाने का वैश्विक प्रमाण है।

जब नदी का वजूद ही समाप्त हो जाता है, तो उसके साथ वे तमाम सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासतें भी मौन हो जाती हैं, जो सदियों से उसके किनारों पर फली-फूली थीं।

घृणा, गरीबी और असमानता- क्या भारत का विकास हाशिये के आखिरी आदमी तक पहुंच पाया है

(संतोष पटेल)

'घृणा' एक ऐसा शक्तिशाली और विनाशकारी भाव है, जिसने मानव इतिहास के पृष्ठों को रक्त और राख से रंगा है। शेक्सपियर ने प्रेम और घृणा को व्यक्तित्व के दो ध्रुव बताया है। वास्तविकता यह है कि घृणा में जलने वाला व्यक्ति अपनी समस्त ऊर्जा उस व्यक्ति या व्यवस्था के प्रति समर्पित कर देता है, जिसे वह नापसंद करता है। यह एक ऐसी आत्मघाती प्रक्रिया है, जो पाने वाले का कम, लेकिन उसे पोषित करने वाले का सर्वस्व नष्ट कर देती है। तथागत बुद्ध ने 'धम्मपद' में इस शाश्वत सत्य को अत्यंत स्पष्टता से रेखांकित किया है—इस संसार में द्वेष कभी भी द्वेष से शांत नहीं होता, वह केवल अद्वेष, प्रेम और करुणा से ही शांत होता है।

मानव सभ्यता के इतिहास पर अगर हम निष्पक्ष दृष्टि डालें, तो यह स्पष्ट होता है कि प्राकृतिक आपदाओं, महामारियों या हिंसक वन्यजीवों ने मानवता को उतना नुकसान नहीं पहुंचाया है, जितना स्वयं मनुष्य ने मनुष्य को पहुंचाया है। पशु जगत में हिंसा का आधार प्रायः जैविक है - भूख या आत्मरक्षा।

मगर मनुष्य ही एकमात्र ऐसी प्रजाति है, जो बिना किसी स्पष्ट उकसावे के, विचारधारा, धर्म, जाति या वर्चस्व के नाम पर संगठित हिंसा को अंजाम देती है। घृणा और असहिष्णुता का यह विषाक्त वातावरण एक ऐसी पीढ़ी को जन्म देता है, जो विरासत में ही द्वेष की घुट्टी लेकर पैदा होती है।

जब हम घृणा, गरीबी और शोषण के अंतर्संबंधों पर बात करते हैं, तो प्रगतिशील कवि और गीतकार साहिर लुधियानवी की कालजयी पंक्तियां मानस पटल पर उभर आती हैं। उन्होंने अपनी नज्म 'चकले' में उस कड़वे सच को उकेरा था, जो आज भी हमारे आधुनिक समाज के चेहरे पर एक तमाचा है– 'संसार की हर एक बेशर्मी, गुरबत की गोद में पलती है/ चकले ही में आकर रुकती हैं, फाकों (भूख) में जो राहें निकलती हैं।'

'घृणा' एक ऐसा शक्तिशाली और विनाशकारी भाव है, जिसने मानव इतिहास के पृष्ठों को रक्त और राख से रंगा है। शेक्सपियर ने प्रेम और घृणा को व्यक्तित्व के दो ध्रुव बताया है। वास्तविकता यह है कि घृणा में जलने वाला व्यक्ति अपनी समस्त ऊर्जा उस व्यक्ति या व्यवस्था के प्रति समर्पित कर देता है, जिसे वह नापसंद करता है। यह एक ऐसी आत्मघाती प्रक्रिया है, जो पाने वाले का कम, लेकिन उसे पोषित करने वाले का सर्वस्व नष्ट कर देती है। तथागत बुद्ध ने 'धम्मपद' में इस शाश्वत सत्य को अत्यंत स्पष्टता से रेखांकित किया है–इस संसार में द्वेष कभी भी द्वेष से शांत नहीं होता, वह केवल अद्वेष, प्रेम और करुणा से ही शांत होता है। दरअसल, अपराध और सामाजिक पतन का मूल कारण आमतौर पर व्यक्ति का जन्मजात चरित्र नहीं, बल्कि व्यवस्था द्वारा थोपी गई दरिद्रता, बेबसी और निरंतर अभाव होता है। जब एक समाज अपनी ही संतानों को भूख और हताशा के आगे घुटने टेकने पर मजबूर कर देता है, तो उस समाज में मानवीय मूल्यों का क्षरण होना स्वाभाविक है। साहिर का मार्मिक सवाल 'जिन्हें नाज है हिंद पर, वो कहां हैं' आज भी उन सत्ताधीशों, नीति-निर्माताओं और संभ्रांत वर्ग को झकझोरने के लिए पर्याप्त है, जो विकास की चकाचौंध और बड़े-बड़े आंकड़ों में तो चमकते हैं, लेकिन हाशिये पर खड़े उस अंतिम व्यक्ति की पीड़ा को देखने से कतराते हैं, जिसके श्रम से यह राष्ट्र खड़ा है।

अक्सर हम सामाजिक अपराधों और दंगों को केवल व्यक्तिगत नैतिक पतन या सांप्रदायिक कट्टरता के रूप में देखते हैं, जबकि इसका एक गहरा आर्थिक आधार भी है। शहरों में जिस प्रकार का विभाजन हुआ है, वह बढ़ती असमानता का जीवंत प्रमाण है। जब एक तरफ समृद्धि के उत्तुंग शिखर हों और दूसरी तरफ सुविधाओं से वंचित मलिन बस्तियां, तो वहां उपजे आक्रोश की पृष्ठभूमि को समझा जाना चाहिए। यह आक्रोश केवल गरीबी का परिणाम नहीं है, बल्कि संसाधनों के अनुचित वितरण, अवसर की असमानता और निरंतर शोषण का संचित परिणाम है।

गरीब वर्ग स्वभाव से कहीं अधिक सहिष्णु और कानून का पालन करने वाला होता है, लेकिन जब उसे यह अहसास होता है कि व्यवस्था, भ्रष्टाचार, अकर्मण्यता और पक्षपात के कारण उसके हकों को कुचला जा रहा है, तो उसके भीतर 'सापेक्षिक वंचना' का भाव जागृत होता है।

आज के भारत में एक साथ कई शताब्दियां जी रही हैं– कहीं बैलगाड़ी है, तो कहीं लेम्बोर्गिनी। उपभोक्तावादी संस्कृति ने अमीर और गरीब के बीच की गहरी खाई को और अधिक चौड़ा कर दिया है। अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन यह विकास वंचित वर्गों के लिए समावेशी नहीं बन पाया है। जो लोग विकास की इस दौड़ में पीछे छूट गए हैं, उनका धैर्य अब जवाब दे रहा है।

यह नीति-निर्माताओं के लिए खतरे की घंटी है। यदि हम शहरी विकास के नाम पर केवल उन लोगों की सुविधा सुनिश्चित करेंगे, जो आर्थिक रूप से संपन्न हैं, तो हम उन लाखों-करोड़ों लोगों की उपेक्षा कर रहे हैं, जिनके श्रम और पसीने पर यह पूरी शहरी सभ्यता और उसके आराम का ढांचा टिका है।

आजादी के अमृतकाल में भी हम केवल 'मुफ्त की योजनाओं' और लोक-लुभावन वादों के सहारे समाज को सांत्वना दे रहे हैं। सच्चाई यह है कि ये कृत्रिम और तात्कालिक उपचार अब नाकाफी हैं। राष्ट्र की वास्तविक वृद्धि तब होगी, जब युवाओं को उनके परिश्रम का उचित प्रतिफल मिलेगा, तंत्र में संवेदनशीलता होगी और विकास की मुख्यधारा में हर हाथ को काम मिलेगा। यह न केवल सामाजिक न्याय का तकाजा है, बल्कि बढ़ते हुए मध्य वर्ग के लिए भी आत्म-संरक्षण का प्रश्न है। अगर मध्य वर्ग हाशिये के समाज को साथ लेकर नहीं चलता, तो सामाजिक विखंडन और अराजकता का खतरा बना रहेगा।

आज हमें ऐसे दूरदर्शी विचारकों और नेतृत्व की आवश्यकता है, जो एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकें जो केवल सांख्यिकी में नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा में उन्नत हो। घृणा का उन्मूलन केवल उपदेशों या कठोर कानूनों से नहीं, बल्कि समानता और न्यायपूर्ण वितरण से होगा। जब एक मजदूर का बेटा यह महसूस करेगा कि राष्ट्र उसके सपने का भी उतना ही सम्मान करता है, जितना कि किसी बड़े कॉरपोरेट जगत के नायक का, तभी 'भारत' का विचार पूर्ण होगा।

समय आ गया है कि हम 'दलों' और 'दस्तावेजों' की राजनीति से ऊपर उठकर एक ऐसे समावेशी भारत का निर्माण करें, जहां किसी भी नागरिक को घृणा, भूख या अभाव की गोद में न पलना पड़े। सच्चा राष्ट्रवाद वही है, जो अपने सबसे कमजोर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान ला सके।

21 साल बाद खुले स्कूल के बाद अब पीड़िया पहुंचा पहला आधार शिविर

कभी नक्सलियों के गढ़ के रूप में पहचान रखने वाले गांव में 80 ग्रामीणों का हुआ नामांकन व आधार अपडेट

बीजापुर। गंगालूर तहसील का पीड़िया गांव, जिसकी पहचान कभी नक्सलियों के मजबूत ठिकाने और ÷नक्सलवाद की यूनिवर्सिटी÷ के रूप में होती थी, अब धीरे-धीरे विकास की मुख्यधारा से जुड़ता नजर आ रहा है। 21 वर्षों बाद स्कूल खुलने के बाद अब पहली बार गांव में आधार नामांकन एवं अद्यतन शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी पहचान संबंधी औपचारिकताएं पूरी कराईं।

प्रशासन के अनुसार, 31 मार्च 2026 के बाद क्षेत्र की परिस्थितियों में सुधार और आवागमन के लिए कच्चे मार्ग बनने से गांव तक नियमित पहुंच संभव हुई है। इसी के तहत ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष आधार शिविर लगाया गया। शिविर का संचालन तहसीलदार भोजराम डहरिया और नायब तहसीलदार खेन्द्र सिन्हा के मार्गदर्शन में किया गया। नेटवर्क जैसी तकनीकी बाधाओं के बावजूद शिविर में महिलाओं, पुरुषों, बुजुर्गों और बच्चों की अच्छी भागीदारी रही। कुल 80 ग्रामीणों के आधार का नया पंजीयन और आवश्यक संशोधन किया गया। आधार बनने और अपडेट होने से अब इन ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों ने बताया कि एक समय पीड़िया नक्सली गतिविधियों का प्रमुख केंद्र माना जाता था और बाहरी लोगों का गांव तक पहुंचना भी मुश्किल था। अब हालात बदल रहे हैं और गांव के लोग शिक्षा, पहचान और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उनका कहना है कि अब गांव में सामान्य जीवन लौट रहा है और शासकीय योजनाओं का लाभ भी मिलने लगा है।

21 साल बाद खुले स्कूल में पढ़ रहे 84 बच्चे

पीड़िया में बदलाव की सबसे बड़ी तस्वीर गांव का प्राथमिक विद्यालय है। करीब 21 वर्षों तक बंद रहने के बाद दोबारा शुरू हुए इस स्कूल में वर्तमान में 84 बच्चे नियमित पढ़ाई कर रहे हैं। ग्रामीणों का मानना है कि शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं की पहुंच से गांव का भविष्य बदलने लगा है।

आउटसोर्सिंग और निजीकरण के विरोध में स्वास्थ्य कर्मचारियों का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले प्रांतीय महासमिति के आह्वान पर बुधवार को बस्तर संभाग के सभी जिलों में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने स्वास्थ्य विभाग में बढ़ती आउटसोर्सिंग और निजीकरण का विरोध करते हुए नियमित भर्ती करने तथा ठेका प्रथा समाप्त करने की मांग उठाई। ज्ञापन में पैथोलॉजी सेवाओं को विभागीय व्यवस्था के तहत सुदृढ़ करने, स्वास्थ्य कर्मचारियों की लंबित एवं न्यायोचित मांगों का शीघ्र निराकरण करने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की मांग प्रमुखता से शामिल रही।इस दौरान बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मचारी रैली में शामिल हुए। कर्मचारियों ने शासन की कथित कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया।संघ ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आने वाले समय में व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

प्रदर्शन में प्रांतीय उपाध्यक्ष शकील खान, प्रांतीय संगठन सचिव हनुमंत राव, होमेश कुमार पांडेय, जिला अध्यक्ष (बस्तर) रीमा दानी, माखन लाल सोरी, ओपी उइके, जिला अध्यक्ष (सीएचओ प्रकोष्ठ) मनीष देवांगन, शिव त्रिपाठी, सुनील लिमजे, गुलाब दीवान, हरीश दीवान, झरना बर्मन, अंजू साहू, चमेली नेताम, सुकृति पांडेय, अरुण पाणिग्राही, ममता नेताम, भजन कश्यप, आनंद कंवर सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर केशकाल पुलिस ने कराई रंगोली, चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता

केशकाल। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर केशकाल थाना पुलिस द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए रंगोली, चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव पंकज चंद्रा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा एवं एसडीओपी केशकाल अरुण नेताम के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा और कला के माध्यम से सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष बिहारी लाल शोरी, विशिष्ट अतिथि राज किशोर राठी, जनपद सदस्य हिडमो कुंजाम, राजकुमारी, पार्षद भूपेश चन्द्राकर, पत्रकार कृष्णदत्त उपाध्याय, प्राचार्य राकेश विश्वकर्मा सहित विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे। थाना प्रभारी विकास बघेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल का जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, दृढ़ इच्छाशक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, रचनात्मक सोच और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। प्रतियोगिता के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। निबंध लेखन में सालिनी निर्मलकर, चित्रकला में प्रतिज्ञा मंडावी तथा रंगोली में नादिया और मालती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी अरुण नेताम, थाना प्रभारी विकास बघेल सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। थाना पुलिस ने कहा कि भविष्य में भी विद्यार्थियों एवं आमजन के बीच जागरूकता, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक सहभागिता बढ़ाने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सरस्वती साइकिल योजना : कुआकोंडा में 140 छात्राओं को मिली नि:शुल्क साइकिल

किरंदुल। सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत विकासखंड कुआकोंडा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 140 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक चैतराम अटामी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, अरविंद कुंजाम, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी एवं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष दीपिका सुमित भदौरिया उपस्थित रहें। अतिथियों ने छात्राओं को साइकिल प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह योजना बालिका शिक्षा को नई गति देने के साथ-साथ विद्यालय तक उनकी सुगम पहुँच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शासन की विभिन्न छात्र हितैषी योजनाओं का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करना हैं। उन्होंने छात्राओं से नियमित विद्यालय आने, अनुशासित रहकर अध्ययन करने तथा उच्च लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने का आह्वान किया।मुख्य अतिथियों ने अपने उद्बोधन में छात्राओं से कहा कि साइकिल का सदुपयोग करें और शिक्षा को जीवन की सबसे बड़ी शक्ति मानें। उन्होंने कहा कि शिक्षित बेटियाँ परिवार, समाज एवं राष्ट्र के विकास की आधारशिला हैं।

नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 की तत्परता से जहर सेवन करने वाली महिला को समय पर मिला उपचार

नारायणपुर। पुलिस की नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 सेवा ने एक बार फिर अपनी त्वरित एवं संवेदनशील कार्यशैली का परिचय देते हुए जहर सेवन करने वाली एक महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया। डायल-112 कंट्रोल रूम को सूचना प्राप्त हुई कि एक महिला द्वारा जहर सेवन कर लिया गया है, जिसकी हालत गंभीर थी तथा उसे तत्काल अस्पताल ले जाने की आवश्यकता थी। सूचना प्राप्त होते ही डायल-112 की टीम बिना विलंब के घटनास्थल के लिए रवाना हुई। दुर्गम एवं कच्चे मार्गों के बावजूद टीम ने तत्परता से मौके पर पहुंचकर महिला को सुरक्षित वाहन में बैठाया तथा तत्काल जिला अस्पताल, नारायणपुर पहुंचाकर भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार प्रारंभ किया गया। इस सराहनीय कार्य में आरक्षक ज्ञानदास खांडे, डीएसएफ आरक्षक अर्जुन सलाम तथा चालक नीलेश कश्यप की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई करते हुए महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया। नारायणपुर पुलिस आमजन की सुरक्षा एवं सहायता के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। किसी भी आपात स्थिति में नागरिक नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 सेवा का उपयोग कर तत्काल पुलिस सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

18 महीनों से साइकिल पर भारत भ्रमण कर रहा बिहार का युवा पहुंचा फरसगांव

फरसगांव। बिहार के खगड़िया जिले के 24 वर्षीय कृष्ण यादव अपनी 'सम्पूर्ण भारत साइकिल यात्रा' के दौरान मंगलवार शाम फरसगांव पहुंचे। कृष्ण यादव पिछले करीब 18 महीनों से लगातार साइकिल के जरिए देशभर का भ्रमण कर रहे हैं और अब तक 20 हजार किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुके हैं। कृष्ण यादव ने बताया कि उन्होंने 20 जनवरी 2025 को बिहार से अपनी यात्रा की शुरुआत की थी। इसके बाद वे उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सहित देश के कई राज्यों का भ्रमण करते हुए छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं। भारत की विविध संस्कृति, परंपराओं, सामाजिक जीवन और विभिन्न क्षेत्रों की विशेषताओं को करीब से जानना है। साथ ही, यात्रा के दौरान लोगों से जुड़कर राष्ट्रीय एकता और आपसी भाईचारे का संदेश देना भी उनकी यात्रा का प्रमुख उद्देश्य है। फरसगांव पहुंचने पर स्थानीय नागरिकों ने कृष्ण यादव का आत्मीय स्वागत किया और उनके रात्रि विश्राम की व्यवस्था की।

इस दौरान उम्मीद सामाजिक संस्था के सदस्यों ने फरसगांव रेस्ट हाउस पहुंचकर उनसे मुलाकात की। बारिश के दौरान पानी से होने वाली परेशानी को देखते हुए संस्था की ओर से उन्हें रेनकोट भेंट कर सम्मानित किया गया। संस्था के सदस्यों ने उनकी साहसिक एवं प्रेरणादायक यात्रा की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य और सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

कृष्ण यादव अपनी भारत यात्रा के अगले पड़ाव के लिए रायपुर रवाना हो गए। उनकी यह अनोखी साइकिल यात्रा युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है। सीमित संसाधनों के बावजूद देश को करीब से जानने और लोगों से जुड़ने का उनका प्रयास दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रेरक उदाहरण है।

प्रकाश विद्यालय किरंदुल में 'स्नोवर्ल्ड' कार्यक्रम आयोजित,बच्चों ने दिखाया टैलेंट

किरंदुल। प्रकाश विद्यालय किरंदुल में 'स्नो वर्ल्ड' नामक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फादर अखिल मैनेजर फादर थॉमस जोशा थे।

प्राचार्य फादर दिलीप टी. मैथ्यू, उपप्राचार्य सिस्टर मागरिट एवं अन्य अतिथियों का स्वागत नृत्य एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य फादर दिलीप टी. मैथ्यू ने कहा कि प्रकाश विद्यालय केवल शिक्षा तक सीमित न रहकर बच्चों के सर्वांगीण विकास पर बल देता हैं। विद्यालय प्रतिवर्ष ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को मंच प्रदान करता हैं। अतिथियों ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की और बच्चों के प्रदर्शन को सराहा। कार्यक्रम में सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम अत्यंत मनमोहक रहा।

चातुर्मास का धर्म लाभ लें : साध्वी आज्ञांजना

जिनवाणी से प्रारंभ हुई चातुर्मास की धर्मधारा

डोंगरगांव नगर। नगर में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में प्रातः 9 बजे श्वेतांबर जैन समाज की साध्वी आज्ञांजनाश्रीजी म.सा. एवं साध्वी आगमरूचि म.सा. आदि ठाणा-2 का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। नगर सीमा से लगभग दो किलोमीटर दूर स्थित ब्राह्मण समाज भवन से प्रारंभ हुई मंगल यात्रा मुख्य मार्ग, श्रीराम चौक, संजय चौक एवं सदर लाइन होते हुए श्री शांतिनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर पहुँची। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पदयात्रा में शामिल होकर धर्म के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। मंदिर परिसर में आयोजित धर्मसभा में पार्श्व महिला मंडल, समता मंडल एवं सुधर्म मंडल ने मंगलाचरण एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किए। अपने प्रथम उद्बोधन में साध्वी आज्ञांजना म.सा. ने कहा कि चातुर्मास केवल चार महीने का प्रवास नहीं, बल्कि आत्मा को जागृत करने, जीवन को दिशा देने और धर्म से जुड़ने का अनुपम अवसर है। वर्षभर में यही वह समय है, जब जितना अधिक धर्म, ध्यान, स्वाध्याय और संयम का लाभ लिया जाए, वह जीवन की सबसे बड़ी पूंजी बन जाता है। उन्होंने जैसलमेर से डोंगरगांव तक की लंबी पदयात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में उनका यह प्रथम आगमन है। नए प्रदेश और नए वातावरण को लेकर मन में स्वाभाविक जिज्ञासा थी, किंतु जैसे-जैसे विहार आगे बढ़ता गया, श्रद्धालुओं का प्रेम, आत्मीयता और धर्म के प्रति समर्पण देखकर सभी संशय समाप्त हो गए। उन्होंने कहा कि डोंगरगांव के श्रावक-श्राविकाओं का उत्साह देखकर विश्वास और भी दृढ़ हुआ है कि यह चातुर्मास अविस्मरणीय बनेगा। साध्वी ने उपस्थित श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि केवल दर्शन तक ही सीमित न रहें, बल्कि प्रतिदिन प्रवचन, स्वाध्याय, तप, सामायिक और धर्मचर्चा से जुड़कर चातुर्मास का अधिकतम लाभ प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि धर्म जीवन में तभी उतरता है, जब वह सुनने के साथ-साथ आचरण में भी दिखाई दे। इसी क्रम में अपने प्रेरक उद्बोधन में साध्वी आगमरूचि म.सा. ने छत्तीसगढ़ में बीते अपने बचपन की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि धार्मिक संस्कार ही व्यक्ति के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने सभी से विनय, विवेक, विद्या और वचन– इन चार गुणों को जीवन का आधार बनाने का संदेश देते हुए कहा कि इन मूल्यों से परिवार, समाज और आत्मा–तीनों का कल्याण होता है। इस अवसर पर उत्तमचंद नाहटा उमरवाही, मंदिर समिति अध्यक्ष हेमंत चोपड़ा, विभिन्न श्रीसंघों के प्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने अपने भाव व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन रमन नाहटा ने किया। मंगल प्रवेश में राजनांदगांव, अर्जुनी, उमरवाही, कुमर्दा, बालोद, दल्ली राजहरा एवं नारायणपुर सहित विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। नारायणपुर श्रीसंघ से लगभग 70 श्रद्धालुजन शामिल हुए। नगर के जनप्रतिनिधियों तथा दिगम्बर जैन समाज के पदाधिकारियों ने भी साध्वी संघ का स्वागत कर चातुर्मास की मंगलकामनाएँ दीं।

एनएमडीसी सीएसआर की पहल

दंतेवाड़ा के 10 आदिवासी युवाओं को बेंगलुरु में मिलेगा तकनीकी प्रशिक्षण

किरंदुल। एनएमडीसी सीएसआर के सौजन्य से दंतेवाड़ा जिले केसी आदिवासी युवाओं को रोजगारोन्मुखी तकनीकी शिक्षा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है।

एनटीटीएफ बेंगलुरु के सहयोग से जिले के 10 आदिवासी युवाओं को 'डिप्लोमा इन टूल इंजीनियरिंग एवं डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग' के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए बेंगलुरु भेजा गया। एनएमडीसी का उददेश्य आदिवासी अंचल के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा, आधुनिक औद्योगिक कौशल एवं उज्वल रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। इस पहल के तहत युवाओं को आत्मनिर्भर, कुशल एवं भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बनाया जाएगा। कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख रविन्द्र नारायण (अधिशासी निदेशक), एस. चटर्जी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन), वर्क्स विभाग के मुख्य महाप्रबंधक किशन आहुजा, तनवीर जावेद उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), एम तिरुपति राव, उपमहाप्रबंधक (मानव संसाधन), परियोजना अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एम.लाल, मुख्य महाप्रबंधक उत्पादन एस.के. कोचर, महाप्रबंधक अनुबंध वी .मधुसूदना, सिविल विभागाध्यक्ष एल प्रधान एवं सीएसआर विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक विवेक कुमार रक्षा, प्रबंधक (सिविल) सी एस आर सुखराम गावड़े सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। एनएमडीसी अधिकारियों ने बताया कि यह पहल न केवल युवाओं के कौशल विकास का माध्यम है, बल्कि दंतेवाड़ा जिले के आदिवासी युवाओं को आत्मनिर्भरता, सम्मानजनक रोजगार और उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करने वाली एनएमडीसी की सामाजिक प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण भी है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश नेताम ने गठित की नई टीम, 31 पदाधिकारियों की सूची जारी

केशकाल। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश नेताम ने अपनी नई टीम का गठन करते हुए पदाधिकारियों की सूची जारी कर दी है। जारी सूची में संगठन को मजबूत करने के लिए उपाध्यक्ष, महामंत्री, सचिव एवं कार्यकारिणी सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी सूची के अनुसार अशोक कुमार टेकाम को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं नंदलाल लाडिया, सोनऊ राम मण्डावी, शरदा नेताम, संजय ठाकुर, भगवान ध्रुव और मोहसिन खान को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा नरेश नेताम, सतीश नाग, योगेश सिन्हा, रतन मरकाम, भगवान सिंह भोयर, सुनीता कड़वे, किशोर कुमेटी और सीपन हलधर को महामंत्री नियुक्त किया गया है। इसी तरह बालाराम मण्डावी, कृपाराम बघेल, राजेन्द्र मण्डावी, धनसिंग मरकाम, कृष्ण कुमार नाग, लच्छू कार, दिनेश मण्डावी, महेन्द्र मरकाम, रूपसिंह शोरी और रजनी मरकाम को सचिव बनाया गया है। वहीं बजरंगी मरकाम, लोकेश कुमार शोरी, राजेश नेताम, संगीता नेताम, महेन्द्र सिन्हा।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन बनी समाधान का माध्यम विद्युत तार से टकरा रही पेड़ की डालियां हटाईं, संभावित दुर्घटना टली

बिलासपुर। बिलासपुर के मंगला स्थित दीनदयाल कॉलोनी निवासी अक्षत सिंह ठाकुर की सतर्कता और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज शिकायत से एक संभावित दुर्घटना टल गई। उनके घर के पास से गुजर रहे विद्युत तारों से पेड़ की बड़ी डालियां लगातार टकरा रही थीं, जिससे बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित हो रही थी। साथ ही, शॉर्ट सर्किट और जन-धन की हानि का भी खतरा बना हुआ था। अक्षत सिंह ठाकुर ने बताया कि उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए पहले संबंधित विद्युत विभाग के अधिकारियों से मौखिक रूप से संपर्क किया था, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई शिकायत दर्ज होने के बाद विद्युत विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर विद्युत तारों से सटी पेड़ की डालियों की छंटाई कराई। इससे न केवल विद्युत आपूर्ति में आ रही बाधा दूर हुई, बल्कि संभावित दुर्घटना का खतरा भी समाप्त हो गया। अक्षत सिंह ठाकुर ने बताया कि विभाग द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई से वे पूरी तरह संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही है। समय पर हुई कार्रवाई से उनकी समस्या का स्थायी समाधान हुआ और क्षेत्र के लोगों को भी राहत मिली।

जल स्तर बढ़ने पर मिनीमाता बांगो बांध से छोड़ा जाएगा पानी

बिलासपुर। आगामी वर्षाकाल के दौरान आवश्यकता होने पर मिनीमाता बांगो बांध माचाडोली से हसदेव नदी में जल प्रवाहित किया जाएगा। वर्तमान में मिनीमाता बांगो बांध में लगभग 59.42 प्रतिशत जल भराव है। वर्षाकाल में आगामी दिनों में अत्यधिक वर्षा के कारण यदि मिनीमाता बांगो बांध जलाशय का जल स्तर तेजी से बढ़ेगा, तो तत्कालीन परिस्थिति के अनुसार मिनीमाता बांगो बांध का जलद्वार खोलकर हसदेव नदी में जल प्रवाहित किया जा सकता है। अत: सर्वसाधारण एवं कार्य एजेंसियों को सूचित किया जाता है कि बांध से नीचे, हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल संपत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जावें। बाढ़ क्षेत्र में स्थापित खनिज खदान, ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयों, संस्थानों आदि को भी सूचित किया जाता है कि वह अपनी परिसंपत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर कर लेवें। अकस्मात बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल संसाधन विभाग उत्तरदायी नहीं होगा। बाढ़ क्षेत्रों में आने वाले संभावित ग्रामों में बांगो, चर्रा, पोंड़ी उपरोड़ा, कोनकोना, लेपरा, टुनियाकछार, पाथा, गाड़ाघाट, छिनमेर, कछार, कल्मीपारा, सिलयारीपारा, जुनापारा, तिलाईडांड, डुगुपारा, टुंगुमाड़ा, छिर्रापारा, मछलीबाटा, कोरियाघाट, धनगांव, डोंगाघाट, नरमदा, औराकछार, सोनगुड़ा, जेल गांव, झाबू, नवांगांव, तिलसाभाटा, लोतलोता, स्याहीमुड़ा, कोडा, हथमार, झोरा, सिरकीकला आदि शामिल है।

27 से 29 जुलाई तक जिला कोषालय में लगेगा विशेष जीपीएफ निराकरण शिविर

बिलासपुर। महालेखाकार, रायपुर के निर्देशानुसार सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) से संबंधित लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के लिए 27 से 29 जुलाई 2026 तक जिला कोषालय, बिलासपुर में विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से सायं 5रू30 बजे तक संचालित होगा। शिविर में जीपीएफ के ऋणात्मक शेष (निगेटिव बैलेंस), मिसिंग क्रेडिट तथा फुल/पार्ट वांट क्रेडिट डेबिट से संबंधित लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभागों के आहरण एवं वितरण अधिकारियों को निर्धारित तिथि पर आवश्यक अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लंबित प्रकरणों का निराकरण कराने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री बसंत गुलेरी ने जिले के सभी आहरण एवं वितरण अधिकारियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों सहित अनिवार्य रूप से शिविर में उपस्थित होकर अपने विभाग से संबंधित लंबित जीपीएफ प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस विशेष पहल का उद्देश्य कर्मचारियों के लंबित मामलों का शीघ्र और प्रभावी ढंग से निस्तारण कर उन्हें समय पर लाभ उपलब्ध कराना है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में आरपीएफ की संवेदनशील पहल नन्हें फरिश्ते से 211 बच्चों की सकुशल घर वापसी हुई...

- ऑपरेशन अमानत' से यात्रियों को वापस मिला उनका 1 करोड़ 58 लाख से अधिक मूल्य का खोया सामान
- सुरक्षा के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रभावी निर्वहन कर रहा है रेलवे सुरक्षा बल

बिलासपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेल यात्रियों एवं रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के साथ-साथ अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का भी संवेदनशीलता एवं समर्पण के साथ निर्वहन कर रहा है। यात्रियों की सहायता, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा तथा संकटग्रस्त व्यक्तियों को तत्काल राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आरपीएफ द्वारा विभिन्न मानवीय अभियान निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते के तहत वर्ष 2026 में 1 जनवरी से 21 जुलाई तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में घर से भागे हुए अथवा अपने परिजनों से बिछड़े 211 नाबालिग बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। इनमें 139 बालक एवं 72 बालिकाएं शामिल हैं। इन बच्चों को विभिन्न रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों से सुरक्षित बरामद कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उनके परिजनों अथवा संबंधित बाल कल्याण समिति एवं अधिकृत गैर-सरकारी संस्थाओं को सकुशल सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार, ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत वर्ष 2026 में 1 जनवरी से 21 जुलाई तक रेलवे सुरक्षा बल ने ट्रेनों एवं

रेलवे परिसरों में यात्रियों द्वारा छूट गए 654 कीमती सामान, जिनमें बैग, मोबाइल फोन, लैपटॉप, पर्स एवं अन्य मूल्यवान वस्तुएँ शामिल हैं, जिनका कुल अनुमानित मूल्य ?1,58,01,814 है, खोजकर उनके वास्तविक स्वामियों को सुरक्षित वापस सुपुर्द किया। इस अभियान के माध्यम से न केवल यात्रियों को उनकी मूल्यवान अमानत वापस मिली, बल्कि रेलवे सुरक्षा बल की ईमानदारी, तत्परता एवं सेवा-भावना पर यात्रियों का विश्वास भी और अधिक सुदृढ़ हुआ। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का रेलवे सुरक्षा बल सुरक्षा, सेवा एवं संवेदनशीलता के मूल मंत्र के साथ चौबीसों घंटे सतर्क रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है। आरपीएफनियंत्रण कक्ष में संचालित सुरक्षा हेल्पलाइन एवं महिला हेल्पलाइन के माध्यम से यात्रियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में महिला आरपीएफ कर्मियों की तैनाती कर महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। यात्रियों की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए रात्रिकालीन एवं अतिसंवेदनशील ट्रेनों में आरपीएफ द्वारा नियमित एस्कॉर्टिंग की जा रही है। इसके अलावा संवेदनशील रेलखंडों एवं ट्रेनों में डिकॉय टास्क फोर्स की तैनाती कर सामान चोरी, नशाखोरी, पॉकेटमारी तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी एवं कर्मचारी यात्रियों, रेलवे परिसरों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए पूर्ण समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

डैम बना गांव का जल बैंक, किसानों के लिए खुली समृद्धि की नई राह.....

बिलासपुर। कभी हर बारिश के बाद ठरकपुर गांव का पानी नालों से बहकर दूर निकल जाता था। खेतों में नमी नहीं टिकती थी, कुएं और नलकूप सूख जाते थे, किसान एक फसल तक सीमित रहते थे लेकिन आज वही ठरकपुर गांव जल संरक्षण की ताकत से आत्मनिर्भरता और समृद्धि की नई मिसाल बन चुका है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत निर्मित सामुदायिक सीसी चेक डैम ने न केवल वर्षा जल को सहेजने का काम किया, बल्कि किसानों के जीवन में ऐसा सकारात्मक बदलाव लाया, जिसने खेती, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान की। जिले के मस्तूरी विकासखंड के ग्राम पंचायत ठरकपुर में वर्ष 2025-26 के दौरान 19.01 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से निर्मित सामुदायिक सीसी चेक डैम आज ग्रामीण विकास, जल संरक्षण और कृषि समृद्धि का प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा है। इस चेक डैम के निर्माण से गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। जहां पहले वर्षा का अधिकांश पानी बहकर व्यर्थ चला जाता था, वहीं अब उसका संरक्षण होने से खेतों, कुओं और नलकूपों में वर्षभर पानी उपलब्ध रहने लगा है। इससे किसानों को सिंचाई, पशुपालन और आजीविका के नए अवसर प्राप्त हुए हैं। ठरकपुर गांव लंबे समय से जल संकट और मिट्टी कटाव जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। वर्षा का पानी तेजी से बह जाने के कारण भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा था और रबी सीजन में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता था। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए ग्राम पंचायत ने मनरेगा के तहत नाले पर सीसी चेक डैम निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया।

निवास कार्यालय में विभिन्न विकास समितियों के साथ बैठक संपन्न हुआ

- शिक्षा, जनसुविधाओं एवं क्षेत्रीय विकास पर हुई विस्तृत चर्चा

बिलासपुर। बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने अपने निवास कार्यालय में शाला विकास समिति तथा विभिन्न मोहल्ला विकास समितियों के सदस्यों के साथ क्रमिक बैठकें कर शिक्षा, जनसुविधाओं और क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक की शुरुआत शाला विकास समिति के सदस्यों के साथ हुई, जिसमें विद्यालयों के समग्र विकास, विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने, आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के संबंध में विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान समिति सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर गंभीरता से चर्चा करते हुए उन्हें भविष्य की कार्ययोजना में शामिल करने का आश्वासन दिया गया। इसके पश्चात पश्चिमी एवं दक्षिण मोहल्ला विकास समिति, मध्य एवं पूर्वी मोहल्ला विकास समिति तथा रेलवे मंडल एवं उत्तर मंडल मोहल्ला विकास समिति के सदस्यों के साथ अलग-अलग बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में क्षेत्र के विकास कार्यों, नागरिक सुविधाओं, आधारभूत संरचना, स्वच्छता, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था सहित जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। समिति सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की आवश्यकताओं एवं समस्याओं से अवगत कराया तथा विकास संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए। श्री अमर अग्रवाल ने कहा कि जनसहभागिता किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की सबसे बड़ी शक्ति होती है।

बालको ने विश्व युवा कौशल दिवस पर मनाया वेदांता स्किल स्कूल के 15 वर्षों का सफर

कोरबा। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व युवा कौशल दिवस 2026 के अवसर पर वेदांता स्किल स्कूल के 15 वर्षों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया। आयोजित कार्यक्रम में कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ने की उपलब्धियों को साझा किया गया। इस वर्ष विश्व युवा कौशल दिवस की थीम 'साझा भविष्य के लिए कौशल' है। कार्यक्रम में बालको के वरिष्ठ अधिकारी, समुदाय के प्रतिनिधि, पूर्व प्रशिक्षु, वर्तमान प्रशिक्षु और सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। 15 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने के ऐतिहासिक पड़ाव की ओर वेदांता स्किल स्कूल विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में स्किल स्कूल द्वारा सप्ताह भर विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वाद-विवाद, कविता लेखन, पोस्टर मेकिंग, इंडोर खेल और एआई वीडियो निर्माण जैसी कार्यों के माध्यम से युवाओं को अपनी रचनात्मकता, तार्किक सोच, संवाद क्षमता और डिजिटल कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिला। समारोह में प्रशिक्षुओं ने पारंपरिक लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति की झलक पेश की। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण वेदांता स्किल स्कूल के एक पूर्व प्रशिक्षु की वास्तविक जीवन यात्रा पर आधारित नाट्य प्रस्तुति रही। प्रस्तुति में दिखाया गया कि किस प्रकार कौशल प्रशिक्षण ने एक युवा के जीवन को नई दिशा देते हुए उसके लिए रोजगार और बेहतर भविष्य के अवसर तैयार किए।

एसईसीएल में कोयला डिस्पैच व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने की दिशा में सतर्कता विभाग की महत्वपूर्ण पहल..

बिलासपुर। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में कोयला डिस्पैच व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, दक्ष एवं प्रभावी बनाने की दिशा में सतर्कता विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। निवारक सतर्कता (प्रिवेंटिव विजिलेंस) के अंतर्गत एसईसीएल की प्रमुख खदानों गेवरा, दीपका, कुसमुंडा एवं रायगढ़ में समर्पित ट्रक डिस्पैच मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। इन कंट्रोल रूम का विकास एसईसीएल द्वारा इन-हाउस किया गया है, जो संगठन की तकनीकी क्षमता, नवाचार और विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय को दर्शाता है। इन कंट्रोल रूम में रियल-टाइम डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से ट्रकों की आवाजाही, डिस्पैच की स्थिति तथा परिचालन संबंधी

संभावित बाधाओं की निरंतर निगरानी की जा रही है। सतर्कता विभाग की इस पहल का उद्देश्य केवल अनियमितताओं की पहचान करना ही नहीं, बल्कि प्रणालीगत सुधार (सिस्टमेटिक इम्प्रूवमेंट) के माध्यम से ऐसी परिस्थितियों की रोकथाम करना है, जो डिस्पैच प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब, अक्षमता अथवा पारदर्शिता की कमी का कारण बन सकती हैं। रियल-टाइम मॉनिटरिंग के माध्यम से संभावित बाधाओं की शीघ्र पहचान कर समयबद्ध हस्तक्षेप संभव होगा तथा संबंधित हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सकेगा। इस पहल से ट्रक टर्नअराउंड टाइम (ञ्ञ्ञ) को कम करने, वाहनों के निर्गमन में होने वाले विलंब को न्यूनतम करने तथा कोयला डिस्पैच एवं निकासी की दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलने की उम्मीद है। साथ ही, रियल-टाइम डेटा के आधार पर त्वरित एवं तथ्यपरक निर्णय लेने में भी सुविधा होगी। यह पहल केंद्रीय सतर्कता आयोग की निवारक सतर्कता की भावना के अनुरूप प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता को मजबूत करने की दिशा में स्श्वष्टरु के सतर्कता विभाग के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। डिजिटल तकनीक, रियल-टाइम निगरानी और सक्रिय परिचालन प्रबंधन के समन्वय से स्श्वष्टरु का सतर्कता विभाग कोयला डिस्पैच व्यवस्था में पारदर्शिता एवं प्रणालीगत सुधार को बढ़ावा देने के साथ-साथ तकनीक-सक्षम खनन एवं लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

सिम्स में 24 वर्षीय युवक के बचपन से बंद जबड़े का सफल ऑपरेशन

- जटिल सर्जरी से खुला मुंह, आयुष्मान योजना से मिला नि:शुल्क उपचार

बिलासपुर। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध सिम्स अस्पताल, बिलासपुर के दंत चिकित्सा विभाग ने एक दुर्लभ एवं जटिल शल्य चिकित्सा कर 24 वर्षीय युवक के बचपन से बंद जबड़े को सफलतापूर्वक खोलने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। अविकसित निचले जबड़े के कारण वर्षों से सामान्य रूप से मुंह नहीं खोल पाने वाले मरीज का आधुनिक तकनीक से सफल ऑपरेशन किया गया। आयुष्मान भारत योजना के तहत उसे नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया गया। मुंगेली जिले के अमली कापा निवासी 24 वर्षीय युवक बचपन में लगी चोट के कारण बाइलेटरल टेम्पोरो-मैंडिबुलर जॉइंट (ञ्रूरु ्रस्ञ्ज) एंकिलोसिस से पीड़ित था। इस बीमारी के कारण उसके जबड़े की वृद्धि रुक गई थी और वह वर्षों से केवल तरल आहार ही ले पाता था। पर्याप्त पोषण नहीं मिलने से वह कुपोषण और शारीरिक दुर्बलता का भी शिकार हो गया था। निजी अस्पतालों में उपचार का अनुमानित खर्च 3 लाख रुपये से अधिक होने के कारण वह इलाज नहीं करा सका। बाद में सिम्स पहुंचने पर उसे आयुष्मान योजना के तहत नि:शुल्क उपचार की सुविधा मिली। दंत चिकित्सा विभाग में मरीज की विस्तृत जांच, रक्त परीक्षण, सीबीसीटी एवं अन्य रेडियोलॉजिकल जांच के बाद ऑपरेशन की योजना बनाई गई। चूंकि मरीज का मुंह पूरी तरह बंद था, इसलिए निश्चेतना देने के लिए ट्रेकियोस्टॉमी कर श्वास नली स्थापित की गई। इसके बाद 4 जून 2026 को लगभग छह से सात घंटे तक चली जटिल सर्जरी में डिस्ट्रैक्शन ऑस्टियोजेनेसिस तकनीक का उपयोग कर अविकसित निचले जबड़े को लंबा करने की प्रक्रिया शुरू की गई। दोनों ओर विशेष डिस्ट्रैक्शन उपकरण लगाए गए, जिनकी सहायता से अगले तीन से चार माह में जबड़ा धीरे-धीरे सामान्य आकार की ओर विकसित होगा।सर्जरी के बाद मरीज को एक सप्ताह तक अस्पताल में चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया। स्वास्थ्य में सुधार होने पर उसे उपकरणों के साथ छुट्टी दी गई। वर्तमान में नियमित फॉलोअप के दौरान उसके मुंह का खुलना प्रारंभ हो गया है और वह सामान्य जीवन की ओर तेजी

से बढ़ रहा है। यह जटिल ऑपरेशन दंत चिकित्सा विभाग के डॉ. भूपेन्द्र कश्यप के मार्गदर्शन में विभागाध्यक्ष एवं ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ. संदीप प्रकाश तथा उनकी टीम के सदस्यों डॉ. जण्डेल सिंह ठाकुर, डॉ. केतकी किनीकर, डॉ. हेमलता राजमणी, डॉ. प्रकाश खरे एवं डॉ. सोनल पटेल द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। निश्चेतना विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मधुमिता मूर्ति एवं उनकी टीम तथा रेडियोडायग्नोसिस विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह का भी इस जटिल उपचार में महत्वपूर्ण सहयोग रहा। सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि दंत एवं मुख रोग केवल दांतों तक सीमित नहीं होते, बल्कि उनका सीधा प्रभाव व्यक्ति के पोषण, बोलने की क्षमता, चेहरे के विकास और जीवन की गुणवत्ता पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि सिम्स में आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ चिकित्सकों और बहु-विषयक टीम के समन्वय से ऐसे जटिल मामलों का भी सफल उपचार किया जा रहा है तथा भविष्य में भी मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए संस्थान प्रतिबद्ध है।चिकित्सक सह अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने कहा कि बचपन से जबड़ा बंद रहने जैसी दुर्लभ समस्याओं का समय पर विशेषज्ञ चिकित्सकों से उपचार कराना आवश्यक है। उन्होंने आमजन से दांत एवं मुख संबंधी किसी भी समस्या को नजरअंदाज नहीं करने और समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लेकर उपचार कराने की अपील की।

आकाशीय बिजली से बचाव के लिए जिला प्रशासन की अपील

जशपुरनगर। वर्षा ऋतु के दौरान आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में संभावित वृद्धि को देखते हुए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। नागरिकों से कहा गया है कि मौसम खराब होने, तेज गरज-चमक या बिजली कड़कने की स्थिति में लापरवाही न करें और तुरंत किसी सुरक्षित स्थान पर शरण लें।

गरज-चमक के दौरान खुले मैदान, खेत, पहाड़ी क्षेत्र, नदी-तालाब एवं अन्य जलाशयों के आसपास जाने से बचें। साथ ही पेड़ों के नीचे खड़े न हों, क्योंकि आकाशीय बिजली गिरने का खतरा अधिक रहता है। ऐसी स्थिति में किसी पक्के भवन या पूरी तरह बंद वाहन में शरण लेना सुरक्षित उपाय है। मौसम विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी चेतावनियों का पालन करें तथा अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें। यदि कोई व्यक्ति खुले स्थान पर फँस जाए और तत्काल सुरक्षित स्थान तक पहुँचना संभव न हो, तो दोनों पैरों को आपस में मिलाकर नीचे झुक जाएँ, सिर नीचे रखें तथा हाथ घुटनों पर रखें। इस दौरान जमीन पर पूरी तरह न लेटें और अन्य लोगों से उचित दूरी बनाए रखें, ताकि संभावित खतरे को कम किया जा सके।

मुख्य द्वार पर बना लें ये 4 शुभ निशान

वा स्तु शास्त्र में मुख्य द्वार को घर में ऊर्जा के आगमन का सबसे महत्वपूर्ण सोर्स माना जाता है। ऐसे में माना जाता है कि यहां की सजावट वास्तु के अनुसार की जाए तो काफी हद तक घर के माहौल को सकारात्मक रखा जा सकता है। मुख्य द्वार पर बनाए गए कुछ शुभ चिन्ह सुख, शांति और सकारात्मकता का प्रतीक माने जाते हैं।

मुख्य द्वार पर स्वास्तिक का निशान

वास्तु शास्त्र के अनुसार मुख्य द्वार पर स्वास्तिक का निशान बनाना बेहद शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं में इसे सुख, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। माना जाता है कि मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाने से घर की शुद्धता बनी रहती है। इसी वजह से कई लोग विशेष अवसरों और त्योहारों पर इसे जरूर बनाते हैं।

ॐ का चिन्ह बनाना

वास्तु मान्यता है कि अगर मुख्य द्वार पर ॐ का निशान बनाया जाए तो घर की सकारात्मकता बढ़ेगी। इससे घर का वातावरण शांत होता है। साथ ही इससे मन भी अच्छा रहता है। ॐ को हिंदू धर्म में पवित्र प्रतीकों में गिना जाता है और इसी वजह से लोग इसका स्टीकर भी मुख्य द्वार पर लगाते हैं।

मुख्य द्वार पर शुभ-लाभ लिखना वास्तु में शुभ-लाभ को तरक्की और खुशहाली के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। मुख्य द्वार पर इसे लिखने की परंपरा काफी पुरानी है। माना जाता है कि इसे घर के बाहर लिखने से शुभ काम जल्दी-जल्दी होते हैं। वहीं इसकी ऊर्जा से परिवार के सदस्य जिंदगी में सफलता की ओर बढ़ते हैं।

मां लक्ष्मी के पदचिह्न

मुख्य द्वार पर मां लक्ष्मी के पदचिह्न बनाने को सौभाग्य के आगमन के तौर पर देखा जाता है। बस ध्यान रहें कि मां लक्ष्मी के पदचिन्ह अंदर की ओर आते हुए नजर आएं। माना जाता है कि इससे घर में धन, सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है।

कब और कैसे बनाएं चारों निशान?

जब भी आप मुख्य द्वार पर ये निशान बनाएं तो पहले वहां की साफ-सफाई कर लें। अब श्रद्धा भाव के साथ रोली, कुमकुम, हल्दी और चंदन को मिला लें और इसी से ये सारे निशान बना लें। आप चाहे तो इन चारों में से अपनी पसंद से एक या फिर इससे भी ज्यादा निशान बना सकते हैं।

ध्यान में रखें ये बात

बस आपको इस बात का ध्यान रखना है कि ये चारों निशान जिंदगी में खुशहाली तो लाएंगे लेकिन आपके अच्छे कर्म भी जरूरी हैं। ये उपाय धार्मिक मान्यता पर आधारित होते हैं। इन्हें बनाने के साथ-साथ घर में आप भी अपने बात-व्यवहार का ख्याल रखें और सोच हमेशा सकारात्मक ही रखें।

डिस्क्लेमर- (इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

सूरज डूबने के बाद किसी को ना दें ये चीजें

वा स्तु मान्यताओं के अनुसार सूरज डूबने के बाद कुछ चीजें किसी को नहीं देनी चाहिए। जानें ऐसी कौन सी चीजें हैं और इन्हें देने से क्या नुकसान हो सकता है? घर में बड़े-बुजुर्ग लोगों को आपने अक्सर कहते सुना होगा कि सूरज डूबने के बाद कुछ चीजें नहीं की जाती हैं। आज जानेंगे कि जब दिन ढल जाता है तो किन चीजों को गलती से भी किसी ओर देने से बचना चाहिए? आइए जानते हैं इनके बारे में।

नमक

नमक को सुख-समृद्धि और घर की बरकत से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में सूरज डूबने के बाद नमक किसी को भी नहीं देना चाहिए। माना जाता है अगर ऐसा किया जाए तो घर की अच्छी एनर्जी धीरे-धीरे कम होती जाती है।

झाड़ू

सूरज डूबने के बाद किसी को झाड़ू भी नहीं देना चाहिए। इसे मां लक्ष्मी के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। माना जाता है कि सूर्यास्त के बाद झाड़ू देने से घर में बरकत की कमी आती है। ऐसे में इसे शाम के बाद किसी को देने से बचना चाहिए।

दूध

बड़े-बुजुर्ग रात में किसी को भी दूध ना देने की सलाह देते हैं। इसे चंद्रमा और शांति के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। ऐसे में सूर्यास्त के बाद इसे देने से घर

की सुख-शांति भंग होती है।

हल्दी

घर के बड़े-बुजुर्ग हमेशा ये बात कहते हैं कि हल्दी अगर किसी को देना है तो दिन में देना चाहिए। दरअसल इसका संबंध गुरु ग्रह से माना जाता है। अगर कोई सूर्यास्त के बाद हल्दी किसी को भी देता है तो इससे देने वाले के घर का सौभाग्य कम हो सकता है।

पैसे

मान्यता है कि सूरज डूबने के बाद किसी को पैसा उधार देने से उसकी वापसी जल्दी नहीं होती है। ऐसे में सूर्यास्त के बाद किसी को भी पैसा ना दें। कहा जाता है कि ऐसा करने से पैसों से जुड़ी दिक्कतें शुरू हो जाती हैं।

प्याज और लहसुन

लिस्ट में अगला नंबर लहसुन और प्याज है। माना जाता है कि लहसुन और प्याज अपने अंदर की नेगेटिव वाइब्स को खींच लेते हैं। इसी वजह से दिन ढलने के बाद इसे किसी को ना देने की सलाह दी जाती है।

दही

सूरज ढलने के बाद दही भी किसी को नहीं देना चाहिए। इसे शांति और समृद्धि के प्रतीक के रूप में देखते हैं। मान्यता है कि दही को देने से घर की पॉजिटिव एनर्जी और खुशहाली पर बुरा असर पड़ता है। डिस्क्लेमर- इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

कमर दर्द के लिए एक्सरसाइज

ऑ फिस में लंबे समय तक बैठने से होने वाला कमर दर्द अक्सर गलत पोस्टचर, कम मूवमेंट और कमजोर कोर मसल्स की वजह से होता है। कुर्सी से लंबे समय के बाद उठने पर ऐसा लगता है जैसे कमर पूरी तरह से अकड़ चुकी है और अब खड़ा होना भी मुश्किल हो चुका है। अगर आप भी ऐसा ही महसूस करते हैं, तो एक्सरसाइज को अपने डेली रूटीन में शामिल कर लें। इन्हें करने से आपको दर्द से तुरंत राहत मिलेगी और अकड़न खत्म होगी। इन्हें करने में ज्यादा मुश्किल भी नहीं होगी।

ब्रिज एक्सरसाइज

सबसे पहले घुटने मोड़कर पीठ के बल लेटें। धीरे-धीरे कूल्हों को ऊपर उठाएं। 5 सेकंड रोकें और वापस नीचे आएं और ऐसा करीब 10-12 बार करें।

चाइल्ड पोज (Child's Pose)

कमर-घुटनों को रिलैक्स करने के लिए घुटनों के बल बैठें। हाथ आगे फैलाकर शरीर को नीचे झुकाएं। 30 सेकंड तक आराम से रहें और इसे 3-5 बार दोहराएं।

कैट-काउ स्ट्रेच

ये एक्सरसाइज रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है और जकड़न कम करता है। हाथ और घुटनों के बल आएं। सांस लेते हुए पीठ नीचे करें और सिर ऊपर उठाएं। सांस छोड़ते हुए पीठ गोल करें और ठुड्डी अंदर लें और 10-15 बार दोहराएं।

सीटेड स्पाइनल ट्विस्ट

कमर और रीढ़ की जकड़न और दर्द कम करने के लिए सीटेड स्पाइनल ट्विस्ट एक्सरसाइज करें। कुर्सी पर सीधे बैठें। शरीर को धीरे-धीरे दाईं ओर मोड़ें। 15-20 सेकंड रुकें और फिर ऐसे ही दूसरी तरफ करें।

हिप फ्लेक्सर स्ट्रेच

लंबे समय तक बैठने से टाइट हुई मांसपेशियों को ये एक्सरसाइज खोलने में मदद करती है। एक पैर आगे और दूसरा पीछे रखें और धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें। पीछे वाले पैर के हिप में स्ट्रेच महसूस होगा। ऐसे ही 20-30 सेकंड तक रखें।

ऑफिस में कमर दर्द से बचने के टिप्स

-हर 30-40 मिनट में 2 मिनट खड़े होकर चलें। -स्क्रीन आंखों के लेवल पर रखें। -कुर्सी में कमर के पीछे छोटा कुशन लगाएं। -पैरों को जमीन पर सीधा रखें।

किन बातों का रखें ध्यान

ये सभी एक्सरसाइज धीरे-धीरे और बिना झटके के ही करें। अगर आपको लगातार दर्द बना हुआ है या तेज हो गया है, तो फौरन डॉक्टर से संपर्क करें। लंबे समय तक एक ही पोजिशन में न बैठें और रोजाना 10-15 मिनट की हल्की वॉक भी आपको दर्द में राहत देगी।

आज का राशिफल

मेष राशि -रचनात्मक कार्यों और नई योजनाओं में सफलता मिलने के संकेत हैं। करियर में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी और व्यवसाय में साहसिक निर्णय लाभ दिला सकते हैं। प्रेम जीवन में रोमांस बढ़ेगा और स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना लाभदायक रहेगा। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा और किसी शुभ समाचार से घर में खुशी का माहौल बनेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी के साथ आपसी समझ बेहतर होगी।

वृषभ राशि - घर-परिवार और संपत्ति से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। नौकरी और व्यापार में स्थिर प्रगति होगी। पारिवारिक सहयोग मानसिक शांति देगा और स्वास्थ्य भी अनुकूल बना रहेगा। परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। प्रेम जीवन में विश्वास और निकटता बढ़ेगी।

मिथुन राशि - करियर में आपकी बुद्धिमत्ता और संचार क्षमता सफलता दिला सकती है। व्यापार में प्रतिस्पर्धा के बीच आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलने की संभावना है।आर्थिक लाभ के अच्छे संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क राशि - धन और निवेश से जुड़े मामलों में दिन अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी वाणी और व्यवहार सफलता की कुंजी बनेंगे। परिवार का साथ मिलेगा और मानसिक संतोष प्राप्त होगा। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। विचारों का मतभेद हो सकता है, लेकिन धैर्य और समझदारी से बात रखने पर हर समस्या का समाधान निकल आएगा। गुस्से पर नियंत्रण रखना आज बेहद जरूरी रहेगा।

सिंह राशि - नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास आपको नई उपलब्धियां दिला सकते हैं। व्यवसाय में नए अवसर मिलेंगे और प्रेम संबंधों में भावनात्मक निकटता बढ़ेगी। सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी।आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में आपका सम्मान बढ़ेगा। प्रेम जीवन सुखद रहेगा। विद्यार्थियों को करियर से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परिवार में विवाह से जुड़ी कोई अड़चन दूर होने से खुशी का माहौल बनेगा।

कन्या राशि - खर्चों और निवेश के मामलों में सतर्क रहने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। रिश्तों में धैर्य बनाए रखें और स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान दें।परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। प्रेम संबंधों में विश्वास और समझ मजबूत होगी। विद्यार्थियों के लिए यह समय सफलता देने वाला रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।घर की सुख-सुविधाओं पर खर्च बढ़ सकता है, जिससे परिवार का माहौल और आरामदायक बनेगा।

तुला राशि- करियर में उन्नति और आर्थिक लाभ के मजबूत संकेत हैं। पुराने निवेश अच्छा रिटर्न दे सकते हैं। प्रेम जीवन में विश्वास बढ़ेगा और मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा और किसी करीबी मित्र की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

वृश्चिक राशि - कार्यस्थल पर आपकी मेहनत और कार्यकुशलता की सराहना होगी। पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।कठिन परिस्थितियों में भी आप सही निर्णय लेने में सफल रहेंगे। व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे। क्रोध और वाणी पर नियंत्रण रखना आपके लिए लाभदायक रहेगा। धन संबंधी मामलों में सोच-समझकर निवेश करें। परिवार का सहयोग मिलेगा। प्रेम जीवन में भावनात्मक निकटता बढ़ेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनु राशि- नई शुरुआत और महत्वपूर्ण योजनाओं में सफलता मिलने के योग हैं। व्यापार और निवेश में लाभ होगा। प्रेम संबंधों में गहराई बढ़ेगी और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। आर्थिक लाभ के अच्छे संकेत हैं। परिवार में खुशियां बनी रहेंगी। प्रेम जीवन में विश्वास बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।कामकाज में बदलाव सोच-समझकर करें, क्योंकि यही भविष्य की सफलता की नींव बनेगा। कोई बड़ा लक्ष्य पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मकर राशि - करियर और आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से बचें। चुनौतियों का सामना संयम से करें। रिश्तों में पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी होगा और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। नया काम शुरू करने का विचार आगे बढ़ सकता है। प्रेम संबंधों में छोटी-मोटी गलतफहमियों से बचने के लिए सोच-समझकर बोलें।

कुंभ राशि- आज नई योजनाओं पर कार्य शुरू करने के लिए समय अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा लोगों को प्रभावित करेगी। मित्रों और सहयोगियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में लाभ के योग बन रहे हैं। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। प्रेम जीवन में रिश्ते मजबूत होंगे। विद्यार्थियों को नई उपलब्धियां मिल सकती हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

मीन राशि- व्यापारिक साझेदारी और दांपत्य जीवन में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों को नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। प्रेम जीवन में रोमांस और रिश्तों में ताजगी बनी रहेगी।प्रेम जीवन में विश्वास और निकटता बढ़ेगी। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और मानसिक शांति बनी रहेगी। बड़ों की सलाह आपके लिए सही मार्गदर्शन साबित होगी।

ठंडे दही से चेहरे की मसाज के फायदे

गर्मियों में ठंडक पाने के लिए लोग कई घरेलू उपाय अपनाते हैं, जिनमें दही का इस्तेमाल भी काफी लोकप्रिय है। ठंडे दही से चेहरे की मसाज करना एक पुराना और आसान घरेलू नुस्खा है। यह त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ कई लाभ भी पहुंचाता है, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। आइए जानते हैं इसके फायदे और सावधानियां।

ठंडे दही से चेहरे की मसाज के फायदे

❶ त्वचा को ठंडक और राहत

दही की तासीर ठंडी होती है, इसलिए गर्मियों में चेहरे पर लगाने से तुरंत ठंडक महसूस होती है। यह सनबर्न और गर्मी से होने वाली जलन को कम करने में मदद करता है।

❷ नैचुरल मॉइस्चराइज़र

दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को गहराई से हाइड्रेट करता है। अगर आपकी स्किन रूखी है, तो दही से मसाज करने से त्वचा मुलायम और चिकनी हो जाती है।

❸ टैन हटाने में मददगार

गर्मियों में धूप की वजह से त्वचा पर टैन जमा हो जाता है। दही नियमित लगाने से टैनिंग धीरे-धीरे कम होती है और स्किन का रंग साफ दिखाई देता है।

❹ मुंहासों में राहत

दही में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो मुंहासों को कम करने में मदद कर सकते हैं। यह त्वचा को साफ करता है और पोर्स को क्लीन रखता है।

❺ डेड स्किन हटाना

दही में मौजूद लैक्टिक एसिड एक प्राकृतिक एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है। इससे त्वचा की मृत कोशिकाएं हटती हैं और चेहरा फ्रेश दिखता है।

दही से मसाज करने का सही तरीका

चेहरे को पहले साफ कर लें। फिर ठंडा दही लें और उंगलियों से हल्के हाथों से 5-10 मिनट मसाज करें। उसके बाद 10 मिनट तक ऐसे ही छोड़कर सादे पानी से धो लें। बेहतर परिणाम के लिए इसमें थोड़ा शहद या बेसन भी मिलाया जा सकता है।

संभावित नुकसान और सावधानियां

❶ एलर्जी की संभावना

कुछ लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, जिनमें दही लगाने से खुजली, लालिमा या जलन हो सकती है। इसलिए पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है।

❷ ज्यादा ऑयली स्किन पर असर

अगर आपकी त्वचा पहले से बहुत ऑयली है, तो दही का ज्यादा इस्तेमाल करने से चेहरे पर चिपचिपापन बढ़ सकता है और पोर्स बंद हो सकते हैं।

❸ सर्दी-जुकाम का खतरा

बहुत ज्यादा ठंडा दही बार-बार चेहरे पर लगाने से कुछ लोगों को सर्दी या साइनस की समस्या बढ़ सकती है, खासकर अगर शरीर पहले से संवेदनशील हो।

❹ ज्यादा देर तक न छोड़ें

दही को चेहरे पर ज्यादा देर तक (20-30 मिनट से ज्यादा) रखने से कुछ मामलों में स्किन ड्राई या इरिटेट हो सकती है।

किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए?

बहुत संवेदनशील त्वचा वाले लोग। गंभीर मुंहासों या स्किन इंफेक्शन वाले लोग। जिन्हें डेयरी प्रोडक्ट से एलर्जी हो।

लौकी की सब्जी एक पौष्टिक और स्वादिष्ट डिश

सू खी लौकी चना दाल की सब्जी एक पौष्टिक और स्वादिष्ट डिश है, जो खासतौर पर घर के खाने में पसंद की जाती है। इसमें लौकी की हल्की मिठास और चना दाल की मजबूती का बेहतरीन संतुलन मिलता है। यह सब्जी न केवल स्वाद में अच्छी होती है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है।

आवश्यक सामग्री

ताजी लौकी- 2 कप (छोटी कटी हुई), चना दाल - कप (भिगोई हुई, 1-2 घंटे), तेल - 2 टेबलस्पून, जीरा - 1 छोटा चम्मच, हींग - एक चुटकी, प्याज - 1 (बारीक कटा हुआ), हरी मिर्च - 1-2 (कटी हुई), अदरक-लहसुन पेस्ट - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 (कटा हुआ), हल्दी पाउडर - छोटा चम्मच, धनिया पाउडर - 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर - छोटा चम्मच, गरम मसाला - छोटा चम्मच, नमक - स्वादानुसार, हरा धनिया - सजाने के लिए

बनाने की विधि

1. दाल तैयार करें

सबसे पहले चना दाल को अच्छी तरह धोकर 1-2 घंटे के लिए भिगो दें। इससे दाल जल्दी पकती है और नरम रहती है।

2.लौकी तैयार करें

अगर आप सूखी लौकी का उपयोग कर रहे हैं, तो उसे पहले हल्के गुनगुने पानी में थोड़ी देर भिगो लें ताकि वह नरम हो जाए। अगर ताजी लौकी है, तो उसे छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें।

3. तड़का लगाएं

एक कढ़ाई या प्रेशर कुकर में तेल गरम करें। उसमें जीरा डालें। जब जीरा चटकने लगे, तो हींग डालें। इसके बाद कटा हुआ प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें।

4. मसाले डालें

अब इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह चलाएं। फिर टमाटर डालें और उसे नरम होने तक पकाएं। इसके बाद हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च और नमक डालकर मसालों को भून लें।

5.लौकी और दाल मिलाएं

अब भिगोई हुई चना दाल और लौकी डालें। अच्छी तरह मिक्स करें। यदि आप थोड़ा ग्रेवी रखना चाहते हैं, तो थोड़ा पानी डाल सकते हैं।

6.पकाएं

अगर आप प्रेशर कुकर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो 2-3 सीटी आने तक पकाएं। कढ़ाई में बना रहे हैं तो ढककर मध्यम आंच पर 15-20 मिनट तक पकाएं, जब तक दाल नरम न हो जाए।

7. फाइनल टच

जब सब्जी पक जाए, तो ऊपर से गरम मसाला डालें और अच्छे से मिलाएं। गैस बंद करें और ताजा हरा धनिया डालकर सजाएं।

खाने के फायदे

चना दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। लौकी शरीर को ठंडक देती है। पाचन के लिए भी यह सब्जी बेहद फायदेमंद होती है।

परोसने का तरीका

इस स्वादिष्ट सूखी लौकी चना दाल को आप गरम-गरम रोटी, पराठे या सादे चावल के साथ परोस सकते हैं।

नहाते समय सबसे पहले कहां डालना चाहिए पानी?

नहाना हमारी रोजमर्रा की दिनचर्या का एक अहम हिस्सा है. ज़्यादातर लोग बिना कुछ सोचे-समझे सीधे अपने सिर पर पानी डालकर नहाना शुरू कर देते हैं, जबकि कुछ लोग अपने पैरों से शुरुआत करते हैं. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शरीर के किस हिस्से पर आपको असल में सबसे पहले पानी डालना चाहिए? इस सवाल का जवाब शायद कई लोगों को हैरान कर दे, क्योंकि इसके पीछे की वजह सिर्फ़ आदत ही नहीं, बल्कि विज्ञान और सेहत से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें भी हैं...!

विशेषज्ञों के अनुसार खासकर गर्मियों में या तेज धूप से तुरंत अंदर आने के बाद सीधे सिर पर ठंडा पानी डालना हर किसी के लिए सही नहीं माना जाता है। तापमान में अचानक बदलाव से शरीर को झटका लग सकता है। हालांकि, आमतौर पर स्वस्थ लोगों के लिए यह कोई गंभीर समस्या पैदा नहीं करता, लेकिन कुछ लोगों को चक्कर या बेचैनी महसूस हो सकती है। कई स्वास्थ्य विशेषज्ञ और पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियां यह सलाह देती हैं कि नहाते समय, सबसे पहले पैरों और टांगों पर पानी डालना चाहिए। इसके बाद, धीरे-धीरे पैरों, पेट, टांगों और अंत में सिर पर पानी डालना फायदेमंद माना जाता है। ऐसा करने से शरीर को पानी के तापमान के अनुसार खुद को ढालने का समय मिल जाता है। खासकर बहुत ठंडे पानी से नहाते समय यह तरीका अधिक आरामदायक महसूस हो सकता है।

जय स्तंभ चौक पर कांग्रेस का प्रदर्शन, जमकर सरकार के खिलाफनारेबाजी

कांग्रेस का मोदी सरकार के खिलाफ हल्ला बोल, पीएम का फूंका पुतला, सरकार की नीयत पर उठाए सवाल

नीट पेपर लीक मामले को लेकर गुस्सा फूटा, पुलिसिया कार्रवाई पर उठाए सवाल

राजनांदगांव। नीट पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर में प्रदर्शन हो रहा है। यहां छात्रों से बर्बरता की गई, उनके समर्थन में आगे आए कांग्रेसी नेताओं को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। इसके बाद हर जगह कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। इसी क्रम में बुधवार को जय स्तंभ चौक पर कांग्रेसियों ने नारेबाजी की और पीएम नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। इस दौरान पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद रही। कांग्रेसियों के साथ पुतला दहन को लेकर उनकी झूमाझटकी भी हुई। पहला पुतला तो पुलिस ने झीन लिया। लेकिन दूसरे रोड से कांग्रेसी एक और पुतला लेकर आए, जिसका दहन करने का भरसक प्रयास किया गया। इस तरह कांग्रेसियों ने अपना प्रदर्शन किया। यहां कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए। सरकार की शिक्षा नीति पर सवाल उठाए, साथ ही छात्रों के साथ मारपीट जैसी घटना को लेकर निंदा की। इस दौरान विधायक हर्षिता बघेल, ग्रामीण अध्यक्ष विपिन यादव, शहर अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार, धनेश पाटिला, रूपेश दुबे, अब्दुल कलाम, मेहुल मारू, विनय झा, सुर्यकांत जैन, आमिन हुड्डा, रमेश डाकलिया व अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

छात्रों के साथ यह व्यवहार बहुत गलत: विपिन

कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष विपिन यादव ने कहा कि जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन किया जा रहा था। केंद्र सरकार के कहने पर छात्रों के साथ गलत व्यवहार किया गया। इसकी कड़ी निंदा होनी चाहिए। केंद्र सरकार को चाहिए कि वे छात्रों की मांगों को सुने और उस पर बेहतर निर्णय ले। लेकिन सरकार ऐसा करने की जगह उनके साथ दुर्व्यवहार कर रही है।

लोकतंत्र की हत्या है, इसे याद रखा जाएगा: मुदलियार

शहर अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि गांधीवादी तरीके से प्रोटेस्ट किया जा रहा था। वहां स्टूडेंट्स के साथ बर्बरता करना कितना सही है। केंद्र सरकार ने सोची-समझी साजिश के तहत यह काम किया है। यह लोकतंत्र की हत्या है, आने वाले सालों-सालों तक इस समाज का हर वर्ग इसे याद रखेगा। इसका नतीजा भाजपा को भुगतना होगा।

महापौर ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर ली समीक्षा बैठक, 1500 पौधों के रोपण एवं दो वर्ष तक देखरेख की बनेगी योजना,

शहर के 30 गार्डनों के संधारण, सिंचाई व्यवस्था एवं 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मिलेगी नई गति,

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार ने आज अपने कक्ष में पर्यावरण संरक्षण एवं शहर के उद्यानों के विकास को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उप अभियंता पंकज साहू तथा उद्यान प्रभारी अनिल सिंह उपस्थित रहे। बैठक में शहर को अधिक हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। महापौर अलका बाघमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भवन अनुज्ञा की प्रक्रिया में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। बैठक में शहर के लगभग 30 उद्यानों के संधारण एवं रखरखाव को व्यवस्थित करने के लिए ठेका पद्धति व स्व सहायता महिला समूह को अपनाने का निर्णय लिया गया। उद्यानों में नियमित सिंचाई के लिए नल कनेक्शन उपलब्ध कराने, आवश्यक मानव संसाधन की व्यवस्था करने तथा उद्यानों के रखरखाव हेतु विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। साथ ही निगम परिसर में भी व्यापक स्तर पर पौधारोपण एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराने पर जोर दिया गया। महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर संचालित ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान को शहर में प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जाएगा।

पाटन ब्लॉक की ग्रामीण सड़कें बदहाल, जर्जर मार्गों और अधूरे पुल-पुलियों से बढ़ी लोगों की परेशानी

पाटन। पाटन विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें इन दिनों बदहाल स्थिति से गुजर रही हैं। सड़कों के रखरखाव और समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण कई प्रमुख मार्ग जर्जर हो चुके हैं, जिससे आम लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। क्षेत्रवासियों के अनुसार ग्राम पंचायत झीट से जामगांव एम, जामगांव एम से करगा एवं गभरा तक जाने वाला मार्ग, वहीं फुंडा से गोडपेंड्री मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है। बरसात के मौसम में इन सड़कों पर गड्ढों और जलभराव के कारण दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। इसके अलावा पाटन विधानसभा क्षेत्र में कई पुल-पुलियों का निर्माण कार्य भी अधूरा पड़ा हुआ है। परसदा से टोल प्लाजा कुम्हारी एवं चंदनडीह-रायपुर मार्ग पर अधूरे पुलिया का कार्य। वहीं मगरघटा-परसदा के बीच बने एप्रोच रोड और पुलिया के क्षतिग्रस्त होने से लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ संबंधित विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के कारण समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। क्षेत्रवासियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि जर्जर सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराई जाए तथा अधूरे पुल-पुलियों का निर्माण कार्य जल्द पूरा कराया जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

कोरबा प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 23 को,

कोरबा। कोरबा प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी (कार्यकाल 2026-28) का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार, 23जुलाई को दोपहर 12 बजे पंडित जवाहरलाल नेहरू सभागार, रामपुर (कोरबा) में आयोजित किया जाएगा। समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री एवं कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह में कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया, कोरबा महापौर संजू देवी राजपूत, नगर निगम सभापति नूतन सिंह ठाकुर तथा जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रहेगी। कायक्रम में कोरबा प्रेस क्लब के संरक्षक कमलेश यादव, अध्यक्ष नौशाद खान, उपाध्यक्ष राजकुमार शाह, सचिव दिनेश राज, उप सचिव हरीश तिवारी, कोषाध्यक्ष दुर्गेश श्रीवास्तव तथा कार्यकारिणी सदस्यों राजेश कुमार मिश्रा (मिट्टू), नवाब हुसैन और आकाश शर्मा सहित पूरी कार्यकारिणी पद एवं गोपनीयता की शपथ लेगी।

दुर्ग में नए ट्रैफिक ASP की सख्ती, पदभार ग्रहण करते ही सुधार के लिए जारी किए कड़े निर्देश

भिलाई। दुर्ग जिले के नवपदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) कौशलेंद्र देव पटेल ने गुरुवार को विधिवत पदभार ग्रहण कर यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने यातायात कार्यालय में जोन प्रभारियों, टैंगो टीम तथा अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ बैठक कर जिले की ट्रैफिक व्यवस्था की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

बैठक में उन्होंने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, बाजार क्षेत्रों और व्यस्त मार्गों पर नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुबह और शाम के पीक ऑवर के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए, ताकि यातायात सुचारू बना रहे और कहीं भी अनावश्यक जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।

एएसपी पटेल ने बाजार क्षेत्रों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए बेहतर समन्वय और टीमवर्क के साथ कार्य करें, जिससे लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को समयपालन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि यातायात पुलिस की कार्यशैली ऐसी होनी चाहिए, जिससे आम जनता का विश्वास और सहयोग दोनों मजबूत हों।

बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा को लेकर भी विशेष रणनीति पर चर्चा की गई। हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग को बढ़ावा देने, यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने तथा जनजागरूकता अभियानों को और प्रभावी बनाने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि केवल कार्रवाई करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों को नियमों के प्रति जागरूक बनाना भी उतना ही जरूरी है।

पदभार ग्रहण करने के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) कौशलेंद्र देव पटेल ने कहा कि दुर्ग जिले में सुरक्षित, सुगम और अनुशासित यातायात व्यवस्था स्थापित करना उनकी प्राथमिकता होगी। इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग, प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन और जनसहभागिता को बढ़ावा देते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जाएंगे।

भव्य सावन मेले की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, सांस्कृतिक समिति की बैठक में बनी कार्ययोजना

दुर्ग। नगर पालिक निगम, महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में सांस्कृतिक पर्यटन, मनोरंजन एवं विरासत संरक्षण समिति की प्रभारी हर्षिका संभव जैन की अध्यक्षता में आगामी भव्य सावन मेला की तैयारियों को लेकर समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन मेले को अधिक भव्य, आकर्षक एवं जनसहभागिता से परिपूर्ण बनाने के उद्देश्य से विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न सांस्कृतिक, पारंपरिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। समिति ने निर्णय लिया कि सावन मेले के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन कर स्थानीय प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही कार्यक्रमों की तिथि, आयोजन स्थल, प्रतिभागियों के पंजीयन एवं व्यवस्थाओं को लेकर शीघ्र ही विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी। बैठक में पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं में फुगड़ी, रस्सीकूद, दौड़, रस्साकशी, कंची दौड़, मटका फोड़ एवं दौड़ प्रतियोगिता आयोजित करने पर सहमति बनी। इसके अलावा छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अरसा, ठेठरी-खुर्मी, फरा, चीला जैसे पारंपरिक व्यंजनों की प्रतियोगिता, छत्तीसगढ़ी वेशभूषा प्रतियोगिता, छत्तीसगढ़ी मॉडलिंग, गायन प्रतियोगिता तथा रंगारंग छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर भी चर्चा की गई।

अमर शहीद कौशल यादव के शहादत दिवस पर 25 जुलाई को हुडको स्मारक स्थल पर होगा समारोह

भिलाई। कारगिल योद्धा अमर शहीद वीर चक्र सम्मानित कौशल यादव के 27वें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ आर्मी वेलफेयर फाउंडेशन के द्वारा 25 जुलाई सुबह 11 बजे हुडको स्थित कौशल यादव स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि सभा व स्मृति समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के संबंध में गुरूवार को छत्तीसगढ़ आर्मी वेलफेयर फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने प्रेसवार्ता के माध्यम से जानकारी दी।

संस्था के प्रदेश अध्यक्ष हरप्रीत सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ आर्मी पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में कारगिल योद्धा अमर शहीद वीर चक्र सम्मानित कौशल यादव के 27वें शहीद दिवस के अवसर पर दिनांक 25 जुलाई को एक भव्य श्र?द्धांजलि एवं स्मृति समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर शहीद कौशल यादव के अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। यह कार्यक्रम नई पीढ़ी में देशभक्ति, राष्ट्रसेवा एवं सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का एक विनम्र प्रयास है।

स्मृति दिवस समारोह के दौरान रक्त दान शिविर व स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ आर्मी पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष ने प्रदेश के सभी पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं, युवाओं, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, मीडिया प्रतिनिधियों लथा समस्त नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अमर शहीद कौशल यादव को श्रद्धासुमन अर्पित करें तथा उनके सर्वोच्च बलिदान को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि दें। प्रेस वार्ता के दौरान हरप्रित सिंग (पूर्व सैनिक एडवेंचर), कैप्टन ओपी सिंह, मनीष शर्मा, वीके सिंह, बेनी प्रसाद, शैलेन्द्र कुमार, नेहा मोदी आदि उपस्थित रहे।

आयुक्तने विभिन्न जोनों का किया निरीक्षण, जलभराव और सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने निगम क्षेत्र के विभिन्न जोनों का निरीक्षण कर नागरिकों से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जोन-1 नेहरू नगर स्थित बाम्बे आवास के पास डूबान क्षेत्र, जोन-2 रामनगर स्थित नवीन पानी टंकी तथा जोन-3 अंतर्गत दुर्गापारा स्थित तालाब का बारीकी से अवलोकन किया। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जलभराव, पेयजल व्यवस्था और स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने सबसे पहले जोन-1 नेहरू नगर क्षेत्र में बाम्बे आवास के पास स्थित डूबान क्षेत्र का निरीक्षण किया। बरसात के दौरान अधिक बारिश होने पर यहां जलभराव की स्थिति निर्मित होने से नागरिकों को होने वाली परेशानी को देखते हुए आयुक्त ने अधिकारियों से क्षेत्र की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए नालियों की नियमित सफाई कराई जाए। नालियों में कचरा, गाद एवं अन्य अवरोध जमा न होने पाए, इसका विशेष ध्यान रखने के साथ ही जलभराव वाले क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात निगम आयुक्त ने जोन-2 रामनगर स्थित नवीन पानी टंकी का निरीक्षण किया। उन्होंने पानी टंकी की वर्तमान स्थिति एवं संचालन व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों से जानकारी ली। आयुक्त ने टंकी से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र के नागरिकों को नियमित एवं सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के अगले चरण में आयुक्त ने जोन-3 अंतर्गत दुर्गापारा स्थित तालाब का भी जायजा लिया। उन्होंने तालाब एवं उसके आसपास के क्षेत्र में साफ -सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को नियमित रूप से सफाई कराने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि तालाब के आसपास गंदगी एवं कचरा जमा न होने दिया जाए,तथा नागरिकों द्वारा तालाब के किनारे कचरा फेंकते पाए जाने पर तत्काल चालानी कार्रवाई की जाए।

तंबाकू निषेध जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन

कुम्हारी। तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने तथा समाज को तंबाकू-मुक्त बनाने के उद्देश्य से पीएम स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, कुम्हारी द्वारा तंबाकू निषेध जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह जागरूकता रैली प्राचार्य डॉ. विजया श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। रैली के प्रभारी डॉ. रेखराम रहे। इस अवसर पर डॉ. अजय सिंह कोर्राम सर, श्रीवास्तव सर, एम.एल. साहू सर सहित समस्त विद्यालय परिवार ने सक्रिय सहभागिता की। विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने नगर भ्रमण कर नागरिकों को तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों ने जागरूकता संदेशों एवं नारों के माध्यम से लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया।रैली के दौरान ÷तंबाकू छोड़ो, जीवन जोड़ो÷, ÷नशा छोड़ें, स्वस्थ जीवन अपनाएं÷ तथा ÷तंबाकू मुक्त समाज, स्वस्थ समाज÷ जैसे नारों के माध्यम से आम नागरिकों से तंबाकू एवं नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने समाज को तंबाकू-मुक्त बनाने तथा विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए निरंतर जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं आम नागरिकों में नशा मुक्त एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और तंबाकू निषेध के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा।

छत्तीसगढ़ को मिली बड़ी स्वास्थ्य सौगात, जशपुर में प्रथम रेस्पिरेटरी स्किल स्टेशन का शुभारंभ

जशपुर। प्रदेश में श्वसन स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सरगुजा संभाग के जिला अस्पताल जशपुर में राज्य के पहले रेस्पिरेटरी स्किल स्टेशन का शुभारंभ किया गया। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में संभागीय संयुक्त संचालक डॉ. अनिल शुक्ला ने इसका उद्घाटन किया।

इस अवसर पर डॉ. अनिल शुक्ला ने कहा कि रेस्पिरेटरी स्किल स्टेशन का उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत मेडिकल ऑफिसर, स्टाफ नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को श्वसन संबंधी आपातकालीन एवं नियमित चिकित्सकीय प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। इससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

रेस्पिरेटरी स्किल स्टेशन में स्वास्थ्य कर्मियों को ऑक्सीजन थेरेपी, पल्स ऑक्सीमेट्री, ऑक्सीजन डिलीवरी डिवाइसों का सही उपयोग, एयरवे मैनेजमेंट, नेबुलाइजेशन, ऑक्सीजन सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण सहित अन्य आवश्यक श्वसन देखभाल प्रक्रियाओं का सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे उनकी तकनीकी दक्षता, निर्णय क्षमता और आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी कार्य करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

कार्यक्रम के दौरान स्किल स्टेशन की प्रशिक्षण सुविधाओं का अवलोकन कराया गया और स्वास्थ्य कर्मियों को नियमित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। चिकित्सा विशेषज्ञों ने कहा कि इस तरह की पहलें स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के साथ-साथ मरीजों को बेहतर और सुरक्षित उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक, हॉस्पिटल मैनेजर, नर्सिंग अधिकारी, बायोमेडिकल इंजीनियर, पैरामेडिकल स्टाफ, विलियम जे. क्लिंटन फाउंडेशन के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

रेस्पिरेटरी स्किल स्टेशन की शुरुआत को स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता निर्माण, गुणवत्तापूर्ण श्वसन देखभाल को बढ़ावा देने और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com